दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 243

ग्वालियर, सोमवार 23 मई 2022

ृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

पूर्वोत्तर में 8 साल में क्या हुआ, राहुल गांधी इटालियन चश्मा उतारें तब तभी दिखेगा विकास : अमित शाह

नई दिल्ली। देश के गृह मंत्री अमित शाह पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर हैं। अपने दौरे के दूसरे दिन रविवार को वह नामसाई जिला पहुंचे। यहां उन्होंने 1000 करोड़ रुपये की विभिन्न

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार अरुणाचल के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर भी कई हमले किए। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता पूछते हैं कि 8 साल में क्या हुआ? ये लोग आंखें बंद करके जाग रहे हैं। राहुल बाबा को अपना इटालियन चश्मा निकालना चाहिए और पीएम मोदी और सीएम पेमा खांडू द्वारा किए गए विकास कार्यों को देखना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश के दो दिन के दौरे पर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को तिराप जिले में नरोत्तम नगर स्थित रामकृष्ण मिशन स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच अंतरराज्यीय सीमा विवाद इस साल सुलझ जाने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का प्रयास पूरे पूर्वोत्तर को उग्रवाद मुक्त बनाना है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से आठ साल में पूर्वोत्तर में नौ हजार उग्रवादियों ने सरेंडर किया है।

ज्ञानवापी विवाद के बीच क्या कुतुब मीनार परिसर में होगी खुदाई

नई दिल्ली। काशी की ज्ञानवापी मस्जिद में पाए गए कथित शिवलिंग के बाद अब कुतुब मीनार को लेकर छिड़े विवाद के बीच इस ऐतिहासिक परिसर में भी खुदाई कर हकीकत जानने की मांग जोर पकड़ने लगी है। हिन्दू संगठनों का कहना है कि परिसर में अनेक मूर्तियां विभिन्न स्थानों पर रखी हुई हैं। बीते दिनों हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने इस परिसर के पास हनुमान चालीसा पाठ करके कुतुब मीनार का नाम बदलकर %विष्णु स्तंभ% रखने की मांग की थी। ऐसा दावा किया जा रहा है कि संस्कृति मंत्रालय द्वारा कुतुब मीनार परिसर में खुदाई कराई जाएगी, ताकि कुतुब मीनार में मूर्तियों की आइकोनोग्राफी कराई जा सके। दावा है कि संस्कृति विभाग ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को इसके लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। हालांकि, जब इस दावे की हकीकत जानने की कोशिश की गई तो यह पूरी तरह से झूठा और बेबुनियाद निकला। इस बारे में अभी तक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग दिल्ली मंडल को खुदाई और अध्ययन के संबंध में संस्कृति मंत्रालय से कोई औपचारिक निर्देश लिखित रूप में प्राप्त नहीं हुआ है। संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों ने परिसर का दौरा जरूर किया था। संस्कृति मंत्रालय के विश्वनसीय सूत्र ने अपना नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि इस बारे में साफ कहा कि मीडिया में चल रही इस तरह की खबरें पूरी तरह से गलत हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति मंत्रालय की तरफ से किसी भी तरह की खुदाई कराने के कोई आदेश नहीं दिए गए हैं। हालांकि, जब इस दावे की हकीकत जानने की कोशिश की गई तो यह पूरी तरह से झूठा और बेबुनियाद निकला। इस बारे में अभी तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग दिल्ली मंडल को खुदाई और अध्ययन के संबंध में संस्कृति मंत्रालय से कोई औपचारिक निर्देश लिखित रूप में प्राप्त नहीं हुआ है। संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों ने परिसर का दौरा जरूर किया था। संस्कृति मंत्रालय के विश्वनसीय सूत्र ने अपना नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि इस बारे में साफ कहा कि मीडिया में चल रही इस तरह की खबरें पूरी तरह से गलत हैं।

ज्ञानवापी मस्जिद में मौजूद है एक और शिवलिंग: काशी विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत

वाराणसी। बनारस इन दिनों ज्ञानवापी मामले को लेकर चर्चा में है और ऐसे में काशी विश्वनाथ मंदिर के एक पूर्व महंत कुलपति तिवारी ने नया धमाका करते हुए दावा किया कि उन्होंने ज्ञानवापी मस्जिद की पश्चिमी दीवार पर एक शेल्फ में एक छोटा शिवलिंग देखा था। इसके साथ ही उन्होंने शहर के सक्षम अधिकारियों से इसका पड़ताल करने को कहा था। टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी खबर के मुताबिक, तिवारी ने वर्ष 2014 में खींची गई तस्वीरों को दिखाते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह शिवलिंग अब भी उस जगह पर मौजूद है या नहीं। मैं सक्षम अधिकारियों से इसे स्पष्ट करने की मांग करता हूं।' वर्ष 1983 में सरकार द्वारा नियुक्त ट्रस्ट द्वारा प्रबंधन संभालने से पहले काशी विश्वनाथ मंदिर के अंतिम सेवारत महंत रहे तिवारी का दावा है कि उन्होंने ज्ञानवापी मस्जिद की दीवारों पर कमल के फूलों और घंटियों के चित्र भी देखे हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि ज्ञानवापी परिसर की पिछली दीवार किसी प्राचीन मंदिर की प्रतीत होती है। तिवारी वहां वुजू के तालाब का जिक्र करते हुए दावा करते हैं कि इस तालाब के पीछे नंदी और हनुमान की मूर्ति दिखाई दे रही है, जिसे भगवान शिव ने खुद अपने त्रिशूल से बनाया था। इस तालाब में स्नान करने के बाद देवी पार्वती भगवान विश्वेश्वर (शिव का दूसरा नाम) की पूजा करती थीं।'

भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम घटने पर इमरान ने की मोदी की प्रशंसा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिका के दबाव के बावजूद रूस से रियायती तेल खरीदने के लिए भारत की फिर एकबार प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार

एक स्वतंत्र विदेश नीति की मदद से इसे हासिल करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के नेतृत्व वाली सरकार पर बिना सिर वाले मुर्गे की तरह अर्थव्यवस्था के लिए फटकार लगाई। उन्होंने कल मोदी सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की घोषणा की सराहना की। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता ने ईंधन की कीमतों में कटौती के भारत सरकार के फैसले के बारे में जानकारी साझा करते हुए ट्विटर पर लिखा क्वाड का हिस्सा होने के बावजूद भारत ने अमेरिकी दबाव से खुद को अलग रखा और जनता को राहत देने के लिए रियायती रूसी तेल खरीदा। भारत ने वही किया जो हमारी सरकार एक स्वतंत्र विदेश नीति की मदद से इसे हासिल करने के लिए काम कर रही थी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद शनिवार को पेट्रोल की कीमत में 9.5 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 7 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। भारत के रूसी तेल का आयात ऐसे समय में बढ़ गया है जब पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से मास्को पर गंभीर प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे कई तेल आयातकों ने रूस के साथ व्यापार करना बंद कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने मुद्रास्फीति से लड़ने के लिए रूस से रियायती तेल की खरीद तेज कर दी, जिससे अप्रैल में देश का कच्चे तेल का आयात साढ़े तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इमरान खान ने कहा कि उनकी सरकार जनता को राहत प्रदान करने के लिए इसी तरह की कार्रवाई करना चाहती थी।

गर्मी में बढ़े डेंगू के मामले, डेंगू के इलाज में प्राकृतिक चिकित्सा और योग बेहद उपयोगी

नई दिल्ली। आमतौर पर ठंडे मौसम और अगस्त-सितंबर के बाद सामने आने वाले डेंगू के मामले अब गर्मी के मौसम में भी सामने आ रहे हैं। दिल्ली में ही जनवरी 2022 से लेकर मई तक 100 के आसपास डेंगू के मरीज मिल चुके हैं। 17 मई को वैक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल की नोडल एजेंसी दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की ओर से जारी की गई साप्ताहिक रिपोर्ट में बताया गया कि 14 मई तक दिल्ली शहर में 96 डेंगू के केस मिल चुके हैं। इस एक हफ्ते में इस संख्या में इजाफा होने का अनुमान है। हालांकि इस वैक्टर बॉर्न डिजीज से अभी तक कोई मौत सामने नहीं आई है लेकिन मच्छर जनित इस बीमारी के इस मौसम में भी होना चिंता जरूर पैदा करने वाली बात है। गौर करने वाली बात है कि पिछले सालों का रिकॉर्ड देखें तो जनवरी से लेकर मई तक डेंगू के मरीजों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस अवधि में पिछले साल यानि साल 2021 में सिर्फ 21 डेंगू के मरीज मिले थे। जबकि 2020 में सिर्फ 18, 2019 में 10, 2018 में 12 और डेंगू के मामले में सबसे ज्यादा खराब साल रहे 2017 में सिर्फ 18 केस मिले थे।

जेल के अंदर नवजोत सिंह सिद्धू की सुरक्षा में भारी चूक

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अपने पूरे राजनीतिक जीवन में ड्रग्स का मुद्दा उठाते रहे हैं। फिलहाल वह जेल में बंद हैं। उनकी सुरक्षा में एक बड़ी चूक हुई है। उन्हें पटियाला सेंट्रल जेल के अंदर लाइब्रेरी बैरक नंबर 10 में रखा गया है, जहां ड्रग्स और अवैध हथियारों के मामलों का एक आरोपी भी बंद है। आपको बता दें कि पूर्व सिपाही इंद्रजीत

सिंह (सेवा से बर्खास्त) कथित तौर पर प्रमुख ड्रग्स सांठगांठ में शामिल होने के आरोपों का सामना कर रहा है। इस सांठगांठ में कई हाई-प्रोफाइल अधिकारी भी शामिल हैं। कई अभी भी सेवा में हैं। सिंह को भी शुक्रवार को सिद्धू की बैरक में रखा गया था, लेकिन पूछताछ के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। बर्खास्त सीआईए इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह के आवास से 2017 में एके-47 सहित अवैध हथियार और नशीला पदार्थ बरामद किया गया था। उन्हें सिद्धू के बैरक में ही रखा गया था। जेल विभाग के सूत्रों ने इस घटना की पुष्टि की है। सूत्रों ने कहा कि सिद्धू को उसी बैरक में कैदी के रूप में देखकर निचले स्तर के जेल कर्मचारी भी हैरान थे। एक सूत्र ने कहा, पंजाब की जेलों में पहले ही हत्याएं देखी जा चुकी हैं और सिद्धू अपने ड्रग विरोधी रुख के कारण उनकी हिट लिस्ट में हैं।÷ 1988 के रोड रेज मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद सिद्धू ने शुक्रवार को आत्मसमर्पण कर दिया। कल शाम करीब साढ़े सात बजे औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सिद्धू को बैरक में बंद कर दिया गया। जेल अधीक्षक मंजीत तिवाना ने कहा, ÷इस तरह की जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। आप अपडेट के लिए चंडीगढ़ में वरिष्ठों से संपर्क कर सकते हैं। मैं इस मुद्दे पर बोलने के लिए अधिकृत नहीं हूं।÷ जेल मंत्री हरजोत बैंस से जुड़े कर्मचारियों ने कहा कि जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी इस मुद्दे पर टिप्पणी करेंगे। बाद में जेल विभाग की ओर से एक प्रवक्ता ने द ट्रिब्यून को बताया कि एक बार बर्खास्त सिपाही इंद्रजीत सिंह के सिद्धू के साथ बैरक साझा करने के बारे में रिपोर्ट उनके पास पहुंची, तो उन्होंने उसे बाहर स्थानांतरित करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा, जेल के कर्मचारियों ने मुझे सूचित किया है कि इंद्रजीत को दूसरे बैरक में ले जाया गया है। अगर कोई चूक हुई है तो हम गौर करेंगे। उन्होंने दावा किया कि जेल के अंदर कोई सुरक्षा समस्या नहीं थी।

खास खबर

पूर्वी मेदिनीपुर जिले में बंगाल पुलिस में बरामद किए बम से भरे 15 ड्रम, किए गए निष्क्रिय

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। राज्य के पूर्वी मेदिनीपुर जिले स्थित बक्का के होगला वन क्षेत्र से शनिवार को मिले बमों को बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया है। ये बम पूर्वी मेदिनीपुर में पुलिस की छापेमारी के दौरान मिले थे। बम मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत यह सूचना बम निरोधक दस्ते को भेजी थी। खबरों के मुताबिक पुलिस ने बम से भरे होने के संदेह में करीब 15 ड्रम बरामद किए थे। बमों की संख्या एक हजार से अधिक बताई जा रही है। इस संबंध में पूर्वी मेदिनीपुर के पुलिस अधीक्षक अमरनाथ ने कहा कि हमें वहां बम होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद हमने सर्च अभियान चलाया और बम के ड्रम बरामद किए। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया और उन्हें निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोगटुई नरसंहार के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुलिस को हथियार और बम तलाशी का आदेश दिया था। इसके तहत पुलिस विभिन्न इलाकों में अभियान चला रही है। मालूम हो कि यह पहला मौका नहीं है, जब पश्चिम बंगाल से इस तरह से बम बरामद किए गए हों। इससे पहले बीरभूम जिले में पुलिस ने टीएमसी नेता भादू शेख की हत्या के आरोपी के घर के पास जमीन में दबे क्रूड बम को जब्त किया था।

जिन बच्चों को माएं बचपन में दूध नहीं पिलाती, वे कुपोषित हो जाते हैं, दिमाग हो जाता है कमजोर

अयोध्या। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के ब्रिटेन दौरे पर दिए गए बयान को लेकर अयोध्या के संत और धर्माचार्य भड़क गए हैं। संतों ने कहा है कि राहुल गांधी ने अपने ब्रिटेन दौरे पर भारत की तुलना पाकिस्तान से की है। कांग्रेस नेता के इस बयान पर तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि राहुल गांधी एक मानसिक रोगी हैं, और इसकी जिम्मेदार खुद सोनिया गांधी हैं। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा जिन बच्चों को बचपन में माताएं दूध नहीं पिलातीं वह कुपोषण का शिकार हो जाते हैं। उनके अंदर दिमाग की कमी और पागलपन देखा जा सकता है। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा राहुल गांधी ऐसे अनाप-शनाप बयान देते रहते हैं। कभी आलू से सोना बनाने की बात करते हैं तो कभी देश विरोधी गतिविधियों के समर्थन में रहते हैं। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि यह वही राहुल गांधी हैं जो कभी टुकड़े टुकड़े गैंग का समर्थन करते थे। हम सरकार से मांग करते हैं कि राहुल गांधी के ऊपर तत्काल देश विरोधी धारा में केस दर्ज किया जाए। संतों ने कहा कि राहुल गांधी देश तोड़ने का काम कर रहे हैं। वह राजनीतिक स्वार्थ में ये भूल गए है कि देश हित क्या होता है।

गांव वालों ने थाने में लगा दी आग आरोपियों के घरों पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली। असम के नागांव में कई लोगों के घरों पर बुलडोजर चल गए। दरअसल यहां एक दिन पहले कुछ लोगों ने थाने में आग लगा दी थी। इसके बाद आरोपियों के घरों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवा दिया। सलोनाबोरी गांव के लगभग 40 लोगों की भीड़ ने बातादृवा पुलिस स्टेशन में आग लगा दी थी। उनका कहना था कि एक शख्स की पुलिस हिरासत में मौत हो गई है। नागांव जिला प्रशासन ने मौत की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। इसके अलावा पुलिस स्टेशन के प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया है।

उत्तर पश्चिमी भारत में पश्चिमी विक्षोभ से बदलेगा मौसम, दिल्ली, कई राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच उत्तर पश्चिमी भारत में ताजा पश्चिमी विक्षोभ के कारण रविवार से बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। राजधानी दिल्ली में अगले चार दिनों तक बारिश और बूंदाबांदी की गतिविधियां के चलते गर्मी से राहत रहेगी। बता दें, 22 से 24 मई के बीच इस तरह की गतिविधियां कुछ तेज होंगी। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे और आंधी आ सकती है। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी की भी संभावना है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में धूल भरी आंधी, गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर भारत में कुछ दिनों के लिए भीषण गर्मी से राहत मिली रहेगी। मौसम विभाग की मानें तो इन राज्यों में एक सप्ताह तक इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है। हल्की बारिश और आंधी से संबंधित गतिविधियों से अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट रहेगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं, धूल भरी आंधी आ सकती है या 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। आईएमडी के मुताबिक राजधानी और आसपास के इलाकों में हल्की बारिश होने का भी अनुमान है। मौसम कार्यालय ने 23 और 24 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में 25 मई तक अधिकतम तापमान 38 से 39 डिग्री तक बना रहेगा। इस दौरान आंधी और बारिश की हल्की गतिविधियां होंगी। वहीं, 26 मई से एक बार फिर तापमान बढ़ना शुरू होगा। मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण पूर्व दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, रेवाड़ी, सोहाना, फरुखनगर और मानेसर हल्की तीव्रता के साथ बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में 22 मई को सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर और संतकबीर, रामपुर, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर, मुरादाबाद, सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर में भी कहीं-कहीं आंधी के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। पूर्वी यूपी के ऊपर बन रहा सरकुलेशन 23 मई से गर्मी से राहत देगा।

जापान में 40 घंटे के प्रवास में विश्व के 3 नेताओं के साथ बैठक सहित 23 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे पीएम मोदी

24 को टोक्यो में होगा [ाड शिखर सम्मेलन, चीन, यूक्रेन और मौजूदा खाद्य संकट पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान में 24 मई को क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए लगभग 40 घंटे के अपने प्रवास के दौरान विश्व के तीन नेताओं के साथ बैठक सहित 23 कार्यक्रमों में शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मोदी टोक्यो में क्वाड शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और ऑस्ट्रेलिया तथा जापान के प्रधानमंत्रियों के साथ शामिल होंगे। उन्होंने कहा पीएम मोदी अपनी यात्रा के दौरान व्यापार, राजनयिक और अन्य मुद्दों पर बातचीत करेंगे। सूत्रों ने बताया कि वह 30 से अधिक जापानी सीईओ और सैकड़ों भारतीय प्रवासी सदस्यों के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने बताया कि

प्रधानमंत्री एक रात टोक्यो में बिताएंगे और दो रात विमान में यात्रा करेंगे। यूक्रेन पर रूसी हमले के बीच हो रहे शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी बाइडेन और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पीएम मोदी अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ भी द्विपक्षीय बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और क्वाड के अन्य नेताओं के 24 मई को टोक्यो में होने वाले शिखर सम्मेलन में हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों और अवसरों के साथ-साथ अन्य वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए मोदी 23 और 24 मई को जापान का दौरा करेंगे। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि आगामी शिखर सम्मेलन नेताओं को क्वाड ढांचे के तहत अब तक हुई प्रगति का जायजा लेने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन करने का अवसर प्रदान करेगा। क्वात्रा ने 21 मई को नई दिल्ली के एक संवाददाता सम्मेलन में कहा क्वाड सहयोग साझा मूल्यों और लोकतंत्र के सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय कानून, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के साथ-साथ स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा, ÷पहले शिखर सम्मेलन के बाद से क्वाड हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता को बनाने पर एक मजबूत फोकस के साथ सकारात्मक और रचनात्मक एजेंडे को लागू करने के लिए काम कर रहा है।

बिलावल भुट्टो चीन के साथ सुदृढ़ मित्रता और अमेरिका से बिगड़े रिश्ते सुधारने के पक्षधर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार में विदेश मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे बिलावल भुट्टो जरदारी और उनके चीनी समकक्ष वांग यी रविवार को चीनी शहर ग्वांगझू में दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत करने के लिए बातचीत करेंगे। इमरान खान सरकार के पतन के बाद विदेश मंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद बिलावल की यह पहली चीन यात्रा है। उनकी बैठक ग्वांगझू में होने वाली है क्योंकि बीजिंग वर्तमान में कोविड-19 के तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन संस्करण को शामिल करने के लिए अर्ध-लॉकडाउन के तहत है। बिलावल ट्वीट किया मेरी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर ग्वांगझू में उतरा। आज पाकिस्तान और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71 वीं वर्षगांठ भी है। पाकिस्तान-चीन संबंधों पर गहन चर्चा के लिए चीनी स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी से मिलने के लिए उत्सुक हैं। 33 वर्षीय, जिनकी मां बेनजीर भुट्टो और दादा जुल्फिकार अली भुट्टो पूर्व प्रधान मंत्री थे, न्यूयॉर्क से अभी वापस आए हैं, जहां उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ बातचीत की और अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की, जो इस दौरान बिगड़े थे।

पाकिस्तान के नवनियुक्त विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी चीन की यात्रा पर हैं, जहां वह चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ मुलाकात करेंगे तथा दोनों देशों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा करेंगे। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात गुआंगझोऊ में होने वाली है क्योंकि देश की राजधानी बीजिंग में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण आंशिक तौर पर लॉकडाउन लागू है। बिलावल ने ट्वीट किया, 'पहली द्विपक्षीय यात्रा के तहत गुआंगझोऊ में उतरा। आज पाकिस्तान और चीनके बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71वीं वर्षगांठ है। चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी के साथ पाकिस्तान और चीन के बीच गहरे संबंधों पर बातचीत करने को लेकर उत्सुक हूं।'

न्यूज़ ट्रैक....

जया के साथ 1 जून को शादी के बंधन में बंधाने वाले दीपक चाहर

चेन्नई । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर जल्द ही शादी करने जा रहे हैं। चोट के कारण आईपीएल से बाहर चल रहे दीपक चाहर के शादी की तारीख सामने आ गई है। दीपक अपनी गर्लफ्रेंड जया भारद्वाज के साथ एक जून को शादी करने वाले हैं। दोनों के शादी के कार्ड की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दीपक चाहर ने अपनी गर्लफ्रेंड जया को शादी के लिए आईपीएल मैच के दौरान प्रपोज किया था। चाहर ने बिल्कुल फिल्मी तरीके में मैच खत्म होने के बाद स्टेडियम में गए और जया को घुटने के बल बैठकर अंगूठी देकर शादी के लिए पूछा। इसके बाद जया ने भी दीपक चाहर को शादी के लिए हां कही दी थी। दीपक के पिता लोकेंद्र सिंह चाहर ने कहा कि वह काफी समय से अपनी गर्लफ्रेंड जया को प्रपोज करना चाहता था। लेकिन प्लेऑफ चरण के दौरान उन्होंने ऐसा करने की योजना बनाई थी। हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के कहने पर उन्होंने मैच के तुरंत खत्म होने के बाद जया को प्रपोज किया।दीपक के पिता ने कहा कि यह एक बहुत बढ़िया पल था क्योंकि लगभग 180 देशों ने दोनों की सगाई को लाइव देखा है। दीपक चाहर की होने वाली पत्नी जया भारद्वाज रोडीज और बिग बॉस फेम कंटेस्टेंट सिद्धार्थ भारद्वाज की बहन हैं। जया भारद्वाज दिल्ली की कॉर्पोरेट फर्म में काम करती हैं।

सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में ओझा की बराबरी पर आये कुलदीप

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए अंतिम लीग मैच में एक विकेट लेने के साथ ही एक एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। कुलदीप इसी के साथ ही आईपीएल इतिहास में बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के प्रज्ञान ओझा के रिकॉर्ड की बराबरी पर आ गये। कुलदीप ने इस सत्र में अब तक 21 विकेट लिए हैं। इससे पहले ओझा ने साल 2010 सत्र में 21 विकेट लिए थे। इस सूची में रविंद्र जडेजा का भी नाम है जडेजा ने साल 2014 सत्र में 19 विकेट लिए थे। कुलदीप इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। सबसे अधिक विकेट राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम हैं जिन्होंने 26 विकेट लिए हैं। दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के वानिंद हसरंगा हैं जिन्होंने 15 की औसत से 14 मैचों में 24 विकेट ली हैं। कुलदीप और सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज उमरान मलिक 21-21 विकेट के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

बुमराह ने की मलिंगा के रिकार्ड की बराबरी

मुंबई । मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेले मैच में अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने इस मैच में तीन विकेट लिए। इसी के साथ ही वह आईपीएल में 19 बार तीन विकेट लेने वाले दूसरे खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले मुंबई इंडियंस के ही पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने आईपीएल में 19 बार 3 विकेट लिए थे। बुमराह और मलिंगा के अलावा आईपीएल में जिन गेंदबाजों में सबसे ज्यादा बार 3 विकेट लिए हैं उनमें अमित मिश्रा ने 17 बार और ड्वेन ब्रावो ने 16 बार यह यह रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा उमेश यादव ने भी आईपीएल में 16 बार 3 विकेट लिए थे। आईपीएल के इस सत्र में हालांकि बुमराह सफल नहीं रहे और अधिक विकेट नहीं ले पाये। उन्होंने 15वें सत्र में मुंबई की ओर से 14 मैच खेले थे।

लंदन में एफआईएच महिला प्रो लीग मैच में खेलती हुई चीन और इंग्लैंड की खिलाड़ी।

प्रधानमंत्री ने थॉमस कप विजेता टीम को बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार थॉमस और उबर कप जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की है। अपनी इस मुलाकात में प्रधानमंत्री ने टीम को बधाई देते हुए उनकी इस उपलब्धि को सराहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपकी इस जीत से लोगों का सपना पूरा हुआ है। इस दौरान खिलाड़ियों ने भी प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। पीएम कहा कि किसी भी टूर्नामेंट में कोई भी निर्णायक मैच सांस रोकने वाला होता है। इसपर खिलाड़ियों ने कहा कि मैच चाहे पहला हो या अंतिम हमने हमेशा देश की जीत दिखी। मोदी ने कहा, 'एक समय था जब हमारी टीम थॉमस खिताब जीतने की सूची में काफी पीछे हुआ करती थी। भारतीयों ने कभी इस खिताब का नाम भी नहीं सुना होगा पर आज आपने इसे देश में लोकप्रिय कर दिया है। इस भारतीय टीम ने यह दिखाया है कि अगर मेहनत की जाए, तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। विश्व स्पर्धा का दबाव होना ठीक है पर आपने उस दबाव से निकलकर इतिहास रचा है।' प्रधानमंत्र ने टीम के कप्तान किदांबी श्रीकांत,सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय से भी बात कर उनका उत्साह बढ़ाया और उनको उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

श्रीकांत ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों को यह कहते हुए हमेशा गर्व होगा कि हमें अपने प्रधानमंत्री का समर्थन भी प्राप्त है। वहीं मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि प्रधानमत्री भी खिलाड़ियों और खेल का अनुसरण करते हैं, और उनके विचार खिलाड़ियों से जुड़ते हैं। वहीं भारतीय युगल टीम के कोच डेनमार्क के माथियास बो ने कहा, 'मैं एक खिलाड़ी रहा हूं और मैंने देश के लिए पदक जीते हैं पर हमारे प्रधानमंत्री ने मुझे कभी मिलने के लिए नहीं बुलाया।' मोदी ने कहा कि आज लक्ष्य सेन ने अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा था कि मिठाई खिलाऊंगा। आज वह मेरे लिए मिठाई लेकर आए हैं। वहीं लक्ष्य ने कहा कि पीएम ने अल्मोड़ा की बाल मिठाई मांगी थी। मैं उनके लिए मिठाई लेकर गया था। यह दिल को छू लेने वाला है कि उन्हें खिलाड़ियों की छोटी-छोटी बातें याद रहती हैं। भारतीय टीम ने थॉमस कप के फाइनल मुकाबले में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर पहली बार यह खिताब जीता था।

प्लेऑफ से बाहर, हैदराबाद-पंजाब किंग्स आज जीत के साथ खत्म करना चाहेगी सत्र

मुंबई । सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स दोनों टीम की प्लेऑफ उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं, जिसके बाद दोनों ही टीमें रविवार को एक दूसरे के खिलाफ अंतिम मुकाबले में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र का अंत जीत से करना चाहेंगी। दोनों टीमें तब प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई थीं जब गुरूवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटन्स को हरा दिया था। सनराइजर्स हैदराबाद अपने कप्तान केन विलियमसन के बिना होगी जो अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए न्यूजीलैंड लौट गए हैं।

उनकी अनुपस्थिति में या भुवनेश्वर कुमार या फिर निकोलस पूरण के सत्र के अंतिम मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है। सनराइसर्ज हैदराबाद ने लगातार पांच मैचों में मिली हार का सिलसिला मुंबई इंडियंस पर तीन रन की करीबी जीत से तोड़ा था जबकि पंजाब किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स से 17 रन की हार का सामना करना पड़ा था। बल्कि अगर मयंक अग्रवाल की टीम के सत्र के प्रदर्शन की बात की जाए, तब यह काफी

अनिरंतर रहा जिसमें टीम लगातार दो मैच नहीं जीत सकी। आरसीबी को 54 रन से हराने के बाद पंजाब को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 'करो या मरो' के मुकाबले में बल्लेबाजी क्रम के लडखड़ने से हार मिली।

पंजाब की बल्लेबाजी इकाई का प्रदर्शन अनिरंतर रहा और अगर उन्हें बड़ा स्कोर बनाना है, या फिर बड़े स्कोर का बचाव करना है, तब एकजुट होकर प्रदर्शन करना होगा। अगर उसके स्टार बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और लियाम, शिखर धवन नहीं चल पाते हैं, तब पंजाब के पास जितेश शर्मा हैं, जो बड़े स्कोर तक पहुंचा सकते हैं या फिर मैच खत्म कर सकते हैं। गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा (22) इस सत्र के सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। अर्शदीप सिंह (10) ने भी यार्कर डालने की काबिलियत से प्रभावित किया है, विशेषकर अंतिम ओवरों में खासा प्रभावित किया है।

सनराइजर्स लगातार पांच मैच जीतकर शीर्ष दो में पहुंचने की ओर बढ़ती दिख रही थी, लेकिन उनके मुख्य गेंदबाज वाशिंगटन सुंदर और टी नटराजन के चोटिल होने से उनका अभियान पटरी से उतर गया और टीम को लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा। कप्तान विलियमसन भी फॉर्म में वापसी नहीं कर सके। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इस बरकरार रखना चाहते हैं। सनराइजर्स के पास अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारूखी भी हैं, जिन्होंने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। भुवनेश्वर और फारूखी एक और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद लगाए होंगे, जबकि नटराजन को टिम डेविड के खुद के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन को भूलकर फिर से अपनी यार्कर पर ध्यान लगाना होगा।

महिला प्रो लीग के लिए सविता की अगुवाई में टीम की घोषणा की

नई दिल्ली । भारत ने जून में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) प्रो लीग मैचों के यूरोपीय चरण के लिए शनिवार को सविता पूनिया के नेतृत्व में 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। भारतीय टीम स्पेन और नीदरलैंड में एक से 17 जुलाई तक होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप से पहले 11 से 22 जून तक प्रो लीग के छह मैच खेलेगी। भारतीय टीम 11 और 12 जून को एंटवर्प में मेजबान बेल्जियम के खिलाफ खेलने के बाद नीदरलैंड के रॉटरडैम में अर्जेंटीना (18 और 19 जून) और अमेरिका (21 और 22 जून) का सामना करेगी। सविता टीम का नेतृत्व करना जारी रखेगी, हालांकि स्टार स्ट्राइकर और पूर्व कप्तान रानी रामपाल के तोक्यो ओलंपिक के बाद पहली बार मैदान पर उतरने के लिए तैयार है। हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान रानी लंबे समय से रिहैबिलिटेशन में थीं। उन्हें पिछले महीने नीदरलैंड्स के खिलाफ भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग के आखिरी दो मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वह नहीं खेल सकी थी। अनुभवी डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का टीम की उप कप्तान होंगी जिसमें बिचु देवी खरीबाम, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकाले, बलजीत कौर, संगीता कुमारी और दीपिका जैसे जूनियर विश्व कप सितारे भी हैं। स्विट्जरलैंड में चार और पांच जून को होने वाली 'एफआईएच महिला हॉकी 5' में भारतीय टीम की कप्तान और उपकप्तान क्रमशः रजनी एतिमारपू और महिमा चौधरी के अलावा राजविंदर कौर को स्टैंडबाय के तौर पर रखा गया है। टीम की मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, यह यूरोप में प्रो लीग मैचों का एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण होने जा रहा है, क्योंकि इससे जुलाई में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के बारे में पता लगेगा।

टीमः गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचू देवी खरीबाम

डिफेंडरः दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकाले

मिडफील्डरः निशा, सुशीला चानू पुखरामबम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर, सोनिका, सलीमा टेटे, बलजीत कौर

फॉरवर्डः वंदना कटारिया, लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, शर्मिला देवी, संगीता कुमारी, दीपिका, रानी।

व्यापार न्यूज

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने 2021-22 में एनएफओ से 1.08 लाख करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । शेयर बाजारों में तेजी और खुदरा निवेशकों की रुचि बढ़ने के बीच परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) 2021-22 में 176 नई कोष पेशकश (एनएफओ) लेकर आई हैं, जिनके जरिये कुल 1.08 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। नकदी की सख्त स्थिति, ब्याज दरों में बढ़ोतरी, शेयर बाजार में मजबूती, दफ्तर से काम फिर शुरू होने के बाद आगे चलकर एनएफओ में रुचि घट सकती है। वहीं निश्चित परिपक्वता वाली योजनाओं (एफएमपी) में उल्लेखनीय रूप से नई पेशकशें देखने को मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि लगभग सभी एएमसी ने विभिन्न श्रेणियों में नई योजनाएं पेश की हैं और पहले मौजूद उत्पादों के अंतराल को पाटने का काम किया है। उन्होंने बताया कि निवेश के उद्देश्यों में अंतर, विशिष्ट योजनाओं में निवेशकों की रुचि, धन की उपलब्धता, कोष प्रबंधकों की विश्वसनीयता और शेयर बाजारों के प्रदर्शन के आधार पर नई पेशकशों की संख्या तय होगी। आ?धिका?रिक आंकड़ों के अनुसार 2021-22 में 176 नई कोष पेशकशें आईं। इन एनएफओ के जरिये 1,07,896 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कहीं ऊंचा आंकड़ा है।

आयातित कोयले से मई में बिजली उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोयला आधारित उन घरेलू संयंत्रों से बिजली का उत्पादन मई में दोगुने से भी अधिक होकर 14.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जिन्होंने आयातित कोयले के मिश्रण का इस्तेमाल किया। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक पिछले वर्ष इसी महीने में इन कोयला-आधारित संयंत्रों का उत्पादन 6.6 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। ऊर्जा मंत्रालय ने हाल के दिनों में कई कदम उठाए जिनसे घरेलू कोयला आधारित (डीसीबी) संयंत्रों और आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) संयंत्रों में बिजली उत्पादन बढ़ा। गर्मियों के मौसम में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए मंत्रालय ने बिजली उत्पादन संयंत्रों से आयातित कोयले के मिश्रण का इस्तेमाल करने को कहा था। डीसीबी संयंत्रों में बिजली उत्पादन मई में दोगुने से भी अधिक 14.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जबकि पिछले वर्ष समान महीने में इन संयंत्रों का उत्पादन 6.6 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। वहीं आईसीबी संयंत्रों में यह 14.5 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 16 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया। आयातित कोयले से कुल बिजली उत्पादन मई 2022 में बढ़कर 30.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जो मई 2021 में 21.1 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। घरेलू कोयले से प्रतिदिन बिजली उत्पादन 246.5 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 324.4 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया।

पावर ग्रिड का चौथी तिमाही का मुनाफा 18 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) का मार्च में समाप्त तिमाही में समेकित मुनाफा करीब 18 फीसदी बढ़कर 4,156.44 करोड़ रुपए रहा है। पीजीसीआईएल ने शनिवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि एक साल पहले समान तिमाही में उसका समेकित लाभ 3,526.23 करोड़ रुपए था। जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 11,067.94 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 10,816.33 करोड़ रुपए थी।

गेल ने बठिंडा रिफाइनरी के लिए पाइपलाइन बिछाई

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने एचपीसीएल मित्तल एनर्जी (एचएमईएल) की पंजाब की बठिंडा रिफाइनरी को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए एक समर्पित पाइपलाइन बिछाई है। कंपनी का इरादा पर्यावरणनुकूल ईंधन को देश के सभी हिस्सों तक पहुंचाने का है। कंपनी ने कहा कि यह बड़ी संख्या में ग्राहकों तक प्राकृतिक गैस को पहुंचाने की दिशा में अगला कदम है। एक बयान में कहा गया है कि इस पाइपलाइन के लिए गैस प्राप्त करने वाले स्टेशन का उदघाटन एचएमईएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रभ दास ने किया।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 425 परियोजनाओं की लागत 4.83 लाख करोड़ बढ़ी

मार्च-2022 तक इन परियोजनाओं पर खर्च हो चुके हैं 13,88,760.73 करोड़

नई दिल्ली । देरी और अन्य कारणों की वजह से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 425 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.83 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च-2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,579 परियोजनाओं में से 425 की लागत बढ़ी है, जबकि 664 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,579 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,95,196.72 करोड़ रुपये थी, जिसके बढ़कर 26,78,365.62 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 22.01 प्रतिशत या 4,83,168.90 करोड़ रुपये बढ़ी है। मार्च-2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,88,760.73 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 51.85 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 561 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 606 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है ?कि 664 परियोजनाओं में 94 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 124 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 331 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 115 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 664 परियोजनाओं की देरी का औसत 42.41 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

सेंसेक्स की प्रमुख पांच में से तीन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.78 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख पांच कंपनियों में से तीन के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में 1,78,650.71 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण इजाफा हुआ। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन घट गया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,31,320.8 करोड़ रुपए बढ़कर 17,73,889.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 30,814.89 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,46,397.45 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 16,515.02 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,33,156.15 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इसके ?विपरीत टीसीएस की बाजार हैसियत 43,743.96 करोड़ रुपए घटकर 12,05,254.93 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 20,129.66 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 6,12,303.26 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष पांच कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा। एलआईसी शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में 5,22,602.94 करोड़ रुपए के मूल्यांकन के साथ छठे स्थान पर है। बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में आईसीआईसीआई बैंक 4,93,251.86 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ सातवें, भारतीय स्टेट बैंक 4,12,763.28 करोड़ रुपये के पूंजीकरण के साथ आठवें स्थान पर है।

केन्द्र सरकार समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदने तैयार

चंडीगढ़ । केंद्र सरकार ने पंजाब में मूंग की फसल की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना लागू करने पर सहमति जताई है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा ?कि भारत सरकार ने राज्य सरकार को एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि पंजाब में रबी सत्र 2021-22 के लिए पीएसएस दिशानिर्देशों, 2018 के अनुसार 4,585 टन ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) को लागू करने की मंजूरी दी गई है। मूंग खरीद की तारीख राज्य सरकार द्वारा तय की जाएगी और खरीद की अवधि उस तारीख से 90 दिन की रहेगी। प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र की विज्ञप्ति से पता चला है कि केंद्रीय नोडल एजेंसी को खरीद शुरू होने से पहले पीएसएस दिशानिर्देशों के अनुसार वैज्ञानिक भंडारण स्थान की उपलब्धता की पुष्टि करनी चाहिए। पंजाब सरकार ने धान की खेती से पहले उगाए गए मूंग के लिए किसानों को एमएसपी प्रदान करने का फैसला किया है और इस सिलसिले में केंद्र से समर्थन मांगा है। ग्रीष्मकालीन मूंग 65 दिनों की फसल है जिसकी अनुमानित उपज लगभग पांच क्विंटल प्रति एकड़ होती है। बिना पॉलिश वाले मूंग का एमएसपी 7,275 रुपए प्रति क्विंटल है लेकिन आम तौर पर बाजार मूल्य इससे कहीं ज्यादा ही होता है। हालांकि, भारत घरेलू खपत के लिए हर साल पर्याप्त मात्रा में मूंग का आयात करता है। यदि राज्य के किसानों को इस तरह से प्रोत्साहित किया जाता है, तो पंजाब में मूंग का उत्पादन कई गुना बढ़ाया जा सकता है। पंजाब सरकार ने पहले ही केंद्र से अनुरोध किया था कि वह उच्च प्रोटीन सामग्री वाली दालों के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मूंग की पूरी फसल खरीद लें।

इंडोनेशिया के निर्यात खोलने से बीते सप्ताह तेल-तिलहनों की थोक कीमतें हुई कमजोर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में खाने के तेलों की कीमतें तेज होने के बावजूद इंडोनेशिया द्वारा निर्यात खोलने के कारण देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन के डीऑयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में सुधार आया, जबकि गिरावट के आम रुख के अनुरूप सोयाबीन तेलों की कीमतें गिरावट के साथ बंद हुईं। विदेशों में सूरजमुखी को छोड़कर सोयाबीन, पामोलीन तेलों के दाम में लगभग 100 डॉलर की कमी हुई है। ऊंचे दाम पर देश में आयात घटा है और स्थानीय मांग की पूर्ति देशी तेल (सोयाबीन, मूंगफली, बिनौला और सरसों) से की जा रही है। इसमें सबसे अधिक दबाव सरसों पर है जो आयातित तेलों से कहीं सस्ता बैठता है। आयातित तेलों की मांग भी नहीं के बराबर है जिससे पिछले साल के मुकाबले इस बार अप्रैल में आयात लगभग 13 प्रतिशत घटा है। सूत्रों ने बताया कि हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे उत्तर भारतीय राज्यों में सरसों का भारी मात्रा में रिफाइंड बनाया जा रहा है। लेकिन आयातित तेलों की कमी को इन तेलों से पूरा करने की भी एक सीमा है। इसके कारण आने वाले दिनों में सरसों जैसे तिलहन की किल्लत पैदा हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 100 रुपये टूटकर 7,515-7,565 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल 250 रुपये टूटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 15,050 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 40-40 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 2,365-2,445 रुपये और 2,405-2,515 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये लाभ के साथ क्रमशः 7,025-7,125 रुपये और 6,725-6,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। गिरावट के आम रुख के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतें नुकसान के साथ बंद हुईं। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 400 रुपये की हानि के साथ 16,650 रुपये, सोयाबीन इंदौर 500 रुपये की गिरावट 16,000 रुपये और सोयाबीन डीगम का भाव 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव भी हानि दर्शाते बंद हुए। मूंगफली दाना 125 रुपये, मूंगफली तेल गुजरात 200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,710-6,845 रुपये और 15,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव भी 25 रुपये टूटकर 2,625-2,815 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी बाजारों में अधिक कीमत होने की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव भी 500 रुपये टूटकर 14,850 रुपये क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 600 रुपये टूटकर 16,350 रुपये और पामोलीन कांडला का भाव 520 रुपये टूटकर 15,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का भाव 350 रुपये टूटकर 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बिग बॉस के बाद क्या अब 'कांटा लगा' गर्ल शेफाली खतरों से खेलती आएंगी नजर?

बिग बॉस के बाद अब खतरों के खिलाड़ी 11 शुरू होने वाला है जिसका फैंस काफी समय से इंतजार कर रहे हैं. जबसे शो के शुरू होने की खबर आ रही है तबसे शो को लेकर अपडेट्स आते रहते हैं. कुछ दिनों से इस सीजन के कंटेस्टेंट्स के लिए कुछ सेलेब्स के नाम सामने आए हैं जिसमें अब कांटा लगा गर्ल का नाम सामने आया है. जी हां, कांटा लगा गाने से पॉपुलर शेफाली जरीवाला खतरों के खिलाड़ी 11 में नजर आ सकती हैं. दरअसल, ऐसी खबर है कि शेफाली को शो ती टीम की तरफ से कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की है और शेफाली ने भी इसके लिए इंट्रेस्ट दिखाया है. हालांकि अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है तो जैसे ही कुछ फाइनल होगा हम आपको इसकी जानकारी जरूर देंगे. कुछ दिनों पहले उर्वशी ढोलकिया का नाम भी शो के लिए सामने आया है. खबरें ये भी आई थी कि इस शो के लिए उर्वशी ने खुद को फिट रखने के लिए पूरी तैयारी कर ली है. वह खूब एक्सरसाइज कर रही हैं. बिग बॉस 6 और नच बलिए 9 में भाग लेने के बाद उर्वशी कुछ ऐसा काम करना चाहती हैं जिसमें वो खुद को चुनौती दे सके. ऐसे में खतरों के खिलाड़ी उनके लिए एक बेहतर प्लेटफॉर्म साबित हो सकता है. इसी के चलते उन्होंने शो के लिए हामी भरी है. ऐसी रिपोर्ट्स है कि अप्रैल या मई में शो की शूटिंग शुरू हो जाएगी और जून में इस शो को ऑनएयर किया जाएगा. 3 महीने ये शो चलेगा. इसके अलावा हमारे पास जो जानकारी है वो ये कि इस शो के खत्म होने के बाद बिग बॉस के अगले सीजन की शुरुआत हो जाएगी. हर बार इस शो की शूटिंग विदेश में होती थी, लेकिन कोविड की वजह से अभी मेकर्स जगह को लेकर थोड़ा कन्फ्यूज हैं. वो ऐसी जगह देख रहे हैं जहां शूट करना सुरक्षित हो क्योंकि इस शो के लिए काफी बड़ी टीम होती है. तो सभी की सेफ्टी देखते हुए जगह को फाइनल किया जाएगा. वैसे हो सकता है कि इस बार भी शो लास्ट सीजन की तरह बुल्गारिया में हो सकती है. इस सीजन को भी रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे. पिछले कुछ सीजन से रोहित लगातार इस शो को होस्ट कर रहे हैं।

साइको थ्रिलर फिल्म शीरो में नजर आएंगी सनी लियाने, टीजर रिलीज

बॉलीवुड की बेबी डॉल कही जाने वाली अभिनेत्री सनी लियोन अक्सर अपनी हाटनेस को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री की अदाएं उनके चाहने वालों को घायल कर जाती है। बेबी डॉल के

नाम से मशहूर सनी लियोन सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। जिसमें उनके बोल्ड और हॉट अंदाज को लोग भी काफी ज्यादा पसंद करते हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कोई भी तस्वीर सामने आती है तो ये इंटरनेट की दुनिया में छाई रहती है। अब इसी बीच अभिनेत्री सनी लियोन ने अपनी अगली फिल्म शीरो का टीजर रिलीज किया है। जी हां आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अभिनेत्री सनी लियोन जल्द ही एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में नजर आने वाली हैं। जिसका टीजर अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। अब तक उनकी फिल्म के टीजर को लाखों लोग देख चुके हैं। अभिनेत्री की फिल्म का टाइटल शीरो हैं जिसका टीचर इन दिनों सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। जिसने भी फिल्म का टीजर देखा है वो अभिनेत्री के अभिनय की तारीफ करता हुआ नजर आ रहा है। अगर हम बात करें फिल्म शीरो के टीजर की तो टीजर को देखकर ये साफ लग रहा है कि, ये एक हॉरर थ्रिलर फिल्म है। जिसमें अभिनेत्री सनी लियोन मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म के टीजर में आप देख सकते हैं कि इसमें सनी लियोनी दिखाई दे रही हैं और उनके साथ में एक लड़का भी बैठा दिखाई दे रहा है। इस टीजर को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। सस्पेंस से भरी फिल्मों को देखने वाले फिल्म शीरो को काफी पसंद करेंगे।

अलीजे अग्निहोत्री के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर आया बड़ा अपडेट

बॉलीवुड के गलियारों में नेपोटिज़म को लेकर काफी चर्चा सामने आती ही रहते है। हर साल कई स्टारकिड्स बॉलीवुड के गलियारों में कदम रखते हुए रखते हुए नज़र आते है। हालांकि ज्यादातर स्टारकिड्स को बॉलीवुड में अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है। लेकिन बॉलीवुड में से नेपोटिज़म की हटाना एक बहुत ही मुश्किल काम है। हर साल कई स्टार किड्स अपनी किस्मत आजमाने आ ही जाते है। वही पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड के दबंग खान सलमान की की भांजी अलीजे अग्निहोत्री के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा तेज़ हो गयी है। बताया जा रहा है की अलीजे अग्निहोत्री बॉलीवुड के जाने माने फिल्म निर्देशक सूरज बड़जात्या की फिल्म से बॉलीवुड के गलियारों में कदम रखने वाली है। जिसको लेकर काफी चर्चा सामने आ रही है।

करण जौहर की फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखेंगी स्टारकिड शनाया कपूर

फिल्ममेकर करण जौहर की फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखेंगी स्टारकिड शनाया कपूर बॉलीवुड के फेमस स्टारकिड्स की लिस्ट में शुमार अभिनेता संजय कपूर और महिप संधू की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। कजन सिस्टर जान्हवी कपूर के बाद अब शनाया कपूर भी फिल्ममेकर करण जौहर की फिल्म से बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री कदम रखेंगी। इसकी जानकारी खुद करण जौहर ने सोशल

मीडिया पर शनाया की कुछ सेंसुअस तस्वीरों को शेयर करते हुए दी। इन तस्वीरों को ट्विटर पर साझा करते हुए करण ने लिखा-डीसीए स्चॉड में स्वागत है शनाया। इस जुलाई धर्मा मूवीज के साथ शुरू हो रहा तुम्हारा पहली फिल्म का सफ़र यादगार और रोमांचक होने वाला है। बॉलीवुड के फेमस स्टारकिड्स की लिस्ट में शुमार अभिनेता संजय कपूर और महिप संधू की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। कजन सिस्टर जान्हवी कपूर के बाद अब शनाया कपूर भी फिल्ममेकर करण जौहर की फिल्म से बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री कदम रखेंगी। इसकी जानकारी खुद करण जौहर ने सोशल मीडिया पर शनाया की कुछ सेंसुअस तस्वीरों को शेयर करते हुए दी। इन तस्वीरों को ट्विटर पर साझा करते हुए करण ने लिखा-डीसीए स्चॉड में स्वागत है शनाया। इस जुलाई धर्मा मूवीज के साथ शुरू हो रहा तुम्हारा पहली फिल्म का सफ़र यादगार और रोमांचक होने वाला है। गौरतलब है, करण जौहर ने हाल ही में टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी शुरु की है, जिसे शनाया कपूर ने भी ज्वाइन किया है। करण इसे डीसीए स्चॉड कहते हैं। शनाया कपूर अपनी डेब्यू को लेकर काफी उत्साहित और खुश हैं। वहीं शनाया के बॉलीवुड में डेब्यू की पुष्टि करने की खबर सामने आने के बाद से फैंस के साथ -साथ मनोरंजन जगत की तमाम हस्तियां शनाया को उनकी इस नई जर्नी के लिए बधाई दे रही हैं। इसके साथ ही हर कोई शनाया की इस फिल्म के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना चाहता है। लेकिन, फिलहाल इस फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। गौरतलब है शनाया कपूर बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री डेब्यू करने से पहले जान्हवी कपूर की फिल्म गुंजन सक्सेना में असिस्टेंट के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की। इसके अलावा वह वेब सीरीज लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में नजर आ चुकी हैं।

युद्ध का अंजाम

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है और किसी को नहीं पता है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा लेकिन यह करीब-करीब साफ है कि रूस अभी नहीं जीत रहा है। रूस अब तक यूक्रेन की सरकार को बदलने और कीव पर कब्जा करने में नाकाम रहा है और अब तो रूस यूक्रेन के पूर्वी भाग के कुछ इलाकों में सिमटकर रह गया है। इतना ही नहीं रूस को यूक्रेनी सेना को पीछे धकेलने में भी मुश्किलें आ रही हैं। तो क्या यूक्रेन युद्ध जीत रहा है? यूक्रेनी सेना ने बेहद चतुराई से काम किया है और रूसी सेना की कमजोरियों पर वार कर फायदा उठाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौलिक स्तर पर पुतिन पहले ही हार चुके हैं। जिस तरह से रूसी सेना ने यूक्रेन को नुकसान पहुंचाया है उसे डॉक्यूमेंट किया गया है लेकिन यूक्रेनी सेना ने रूसी सेना को कितना नुकसान पहुंचाया है यह बेहतर तरीके से डॉक्यूमेंट नहीं किया गया है। यह सच है कि कई जगहों पर यूक्रेनी सेना पीछे हटी थी लेकिन अब उन जगहों पर फिर एक बार यूक्रेनी सेना का नियंत्रण है। इसमें पूर्वी यूक्रेन का हिस्सा शामिल नहीं है क्योंकि वहां अभी भी रूसी सैनिक बड़े हिस्से में जमे हुए हैं। युद्ध में कई बार ऐसी स्थितियां बन जाती हैं जब किसी भी पक्ष की हार या जीत नहीं होती है। बराबरी पर छूट जाता है। ऐसे हालात में यह संभव है कि किसी पक्ष का अधिक नुकसान हुआ हो और किसी का कम लेकिन जीत या हार किसी की नहीं होती। विश्लेषकों का कहना है कि अगर यूक्रेन डोनबास में मौजूदा रूसी आक्रमण का सामना कर सकता है, तो यूक्रेनियन अगले कुछ हफ्तों में अपने जवाबी हमले को तेज कर देंगे। ऐसा लगता है कि रूस ने जो एज हासिल किया था उसे खो रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि वह किस पॉइंट पर आगे बढना बंद कर देंगे और क्या यूक्रेनी सेना उन्हें पीछे धकेल सकेगी? नाटो देशों की ओर से यूक्रेन को दी जा रही आर्थिक और सामरिक सहायता से युद्ध अनिर्णय की दिशा में बढ़ता जा रहा है। किसी की जीत-हार होती नहीं दिख रही है। पर युद्ध जितना लंबा खिंचता जा रहा है, उसकी उतनी ही पीड़ा मानवता को भोगनी पड़ रही है। अभी तक का तथ्य तो यही है कि युद्धों ने दुनिया और सभ्यता को नुकसान तो बहुत पहुंचाया, परंतु कोई भी ताकतवर अपने से भिन्न मत या कमजोर शक्ति वाले को समाप्त कभी नहीं कर पाया। भारत के अतीत में देखें तो कृष्ण और जरासंध के बीच युद्ध हुआ, पर भगवान माने जाने वाले कृष्ण की जीत के बाद भी जरासंध के अनुयायी या मानने वाले अभी भी अच्छी खासी संख्या में मौजूद हैं। कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट संप्रदाय के बीच युद्ध हुए, मगर आज भी दोनों ही मतों को मानने वाले मौजूद हैं। शिया और सुन्नी संप्रदाय के बीच युद्ध हुए। लाखों लोग मारे गए। इसके बाद भी दोनों मत को मानने वालों की तादाद कम नहीं है। रंगभेद और नस्लभेद के नाम पर दुनिया में कई युद्ध और गृह युद्ध हुए। पर अंतिम निर्णय के दृष्टिकोण को स्वीकार करें तो इनका परिणाम शून्य है। इसके बावजूद दुनिया के सभ्य कहे जाने वाले मुल्क या समुदाय युद्ध क्यों करते हैं, यह खोज का विषय भी है और समझने का भी। एक विदेशी इतिहासकार ने दुनिया के इतिहास और युद्धों का अध्ययन कर बताया कि पिछले लगभग साढ़े तीन हजार वर्षों में दो सौ साठ साल ही ऐसे रहे हैं जिनमें कोई युद्ध नहीं हुए हैं। वरना दुनिया आपस में लड़ती रही है। रूस ने यूक्रेन पर युद्ध थोपा है। वह कितना क्रूर और भयावह है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। भले ही संयुक्त राष्ट्र के नियम कहते हों कि आवासीय क्षेत्र या निहत्थे लोगों पर हथियार इस्तेमाल नहीं होने चाहिए, पर रूस यूक्रेन को घुटने टेकने के लिए नागरिक क्षेत्रों पर लगातार बम बरसा रहा है।

राजीव गांधी से मेरी यादगार मुलाकात!

डा0श्रीगोपालनारसन एडवोकेट

राजीव गांधी कभी नही चाहते थे कि वह कभी राजनीति में आए इसीलिए उन्होने पढाई पूरी करने के बाद पायलट के रूप अपना कैरियर चुना था। उन्होने प्रधानमन्त्री की कुर्सी पर मां श्रीमति इंदिरा गांधी के पदस्थ रहने के बावजूद उनके रहते राजनीतिक कार्य में कभी कोई दखल नही किया था। यहां तक कि उनकी पत्नी मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति सोनिया गांधी भी एक आदर्श बहु के रूप में श्रीमति इंदिरा गांधी परिवार की शोभा बढाती रही। राजीव गांधी चाहते थे कि वह अपने बलबूते कैरियर की उडान भरे और इक्कीस वीं सदी का भारत बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाये। वह बिना राजनीतिक सहारे के इस ओर बढ ही रहे थे कि प्रधानमन्त्री की कुर्सी पर विराजमान मां श्रीमति इंदिरा गांधी को 31 अक्टूबर सन 1984 में उन्ही के अगंरक्षको द्वारा की गई हत्या ने राजीव गांधी के जीवन की दिशा बदल दी। तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह ने मौके की नजाकत और देश के हालात को देखते हुए राजीव गांधी

को देश का प्रधानमन्त्री बनाने का अहम फैसला ले लिया था।

उनके इस फैसले से कई रानीतिक भौच्चके भी हुए और कईयों को प्रधानमन्त्री का पद हाथ से फिसलता भी दिया पडा था। परन्तु राष्ट्रपति विरोधियों से जरा भी विचलित नही हुए और देश को संकट से उभारने और कांग्रेस में नेहरू गांधी परिवार के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करते राजीव गांधी को प्रधानमन्त्री पद की शपथ दिला दी थी। उस समय राजीव गांधी के बारे में अधिकांश को यह उम्मीद नही थी कि प्रधानमन्त्री के रूप में राजीव गांधी एक नया इतिहास रचेगे और भारत को इक्कीस वीं सदी में ले जाने के लिए तकनीकी ज्ञान व विकास के क्षेत्र में मजबूत करने का काम करेगे। राजीव गांधी चाहते थे कि देश की सरकारी विकास योजनाओ का पैसा शतप्रतिशत रूप में गांव तक पहुंचे और उनका चहुंमुखी विकास हो। वह यह भी जानते थे कि योजनाओं का पैसा शतप्रतिशत रूप से गांव तक नही पहुंचता और मात्र 15 प्रतिशत राशि ही वास्तव में विकास पर खर्च हो पाती है जिसका मतलब है कि सरकारी योजनाओं की बदंरबाट से वे आहत थे। इस बदंरबाट अर्थात भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए वे जीवनपर्यन्त प्रयत्यनशील रहे। जिसमें आशातीत सुधार भी हुआ परन्तु राजीव गांधी का भारत को पूर्ण भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का सपना उनके असमय चले जाने के कारण अधुरा रह गया। संगठन पर मजबूत पकड करना उन्हे आता था। कांग्रेस के कैडर बिल्डिगं कार्यक्रम के माध्यम से उन्होने संगठन को धरातल स्तर पर मजबूत करने की कौशिश की । इस कार्यक्रम के प्रशिक्षको व कार्यकर्ताओं से वे कांग्रेस की वास्तविक तस्वीर जान लेते थे। याकि कांग्रेस का टिकट किसे मिलना चाहिए ,कौन जीत सकता है ,किसकी छवि अच्छी है यह सब उन्हे इसी कैडर बिल्डिगं के प्रशिक्षको से पता चल जाता था। साथ ही पार्टी विरोधी लोगो और कांग्रेस से गददारी करने वालो की जानकारी भी उन्हे सहज ही हो जाती थी। जब किसी नेता को या फिर कार्यकर्ता को पार्टी में शामिल करना होता तो उसकी खुफिया जाचं भी इन्ही कैडर बिल्डिंग के लोगो से कराई जाती थी। जिसके परिणाम हमशा अच्छे रहे। वे मामूली से मामूली कार्यकर्ता को भी तरजीह देते थे। यही उनके बडप्पन का राज था। मुझे भी जिला कैडर बिल्डिंग का जिला अध्यक्ष रहते हुए व उससे पूर्व जिला महामन्त्री पद पर रहते तत्कालीन राष्ट्रीय कांगेस के संयुक्त सचिव देबा प्रसाद राय के माध्यम से तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष एवं देश के

प्रधानमन्त्री राजीव गांधी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होने न सिर्फ हमें चाय पिलाई बल्कि हमसे एक एक कर जमीनी हकीकत भी जानी। राजीव गांधी ने हमें काम्प्लीमेन्ट दिया था कि हम उनके कान और आंख है। इसी तरह एक बार अखिल भारतीय स्वतन्त्रता सेनानी सगंठन द्वारा चलाये गए चरित्र निमार्ण शिविर के प्रमाण पत्रों पर बतौर कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी के हस्ताक्षर होने थे जिसके लिए चरित्र निमार्ण शिविर संयोजक पंडित ताराचन्द वत्स जो कि मेरे मामा जी थे,ने मुझे कांग्रेस अध्यक्ष के हस्ताक्षर कराने नई दिल्ली भेजा । मै उस समय के अखिल भारतीय कांगेस स्वतन्त्रता सेनानी अध्यक्ष शीलभद्र याजी के पास नई दिल्नी जतंर मतंर पर गया और उनसे कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी के हस्ताक्षर कराने का निवेदन किया। वे पहले तो थोडा नाराज हुए कि एक बच्चे यानि मुझे इतनी बडी जिम्मेदारी क्यों दी गई। लेकिन फिर अपना स्नेह दिया और प्रधानमन्त्री कार्यालय फोन कर प्रधानमन्त्री राजीव गांधी से मिलने का समय मांगा। प्रधानमन्त्री कार्यालय से बताया गया कि प्रधानमन्त्री जी दक्षिण भारत की यात्रा पर है और देर रात में लौटेगे। शीलभद्रयाजी द्वारा यह अनुरोध करने पर कि जैसे ही प्रधानमन्त्री जी आए तो उन्हे बता दिया जाए। इस पर रात में ही प्रधानमन्त्री राजीव गांधी के लौटने पर प्रधानमन्त्री कार्यालय से गाडी भेजकर हमे बुलाया गया। जैसे ही हम प्रधानमन्त्री निवास पहुंचे तो शीलभद्र याजी को देखते ही राजीव गांधी ने उनका स्वागत किया और उनके पैर छूते हुए बोले दादा जी कैसे याद किया। इस पर उन्होने अपने आने का मकसद बताया तो राजीव गांधी ने न सिर्फ खुशी खुशी प्रमाण पत्रों पर अपने हस्ताक्षर किये बल्कि मुझसे क्षेत्र की जानकारी भी प्राप्त की। लेकिन राजीव गांधी की दुःखद मृत्यु के बाद आम कार्यकर्ता से बडे नेताओ का संवाद टूट सा गया है। यही कांग्रेस की कमजोरी का कारण है। कहने में गुरेज नही कि कांग्रेस में दूसरी पक्ति के नेता चुनाव के समय कांग्रेस हाईकमान को अन्धेरे में रखकर टिकटो को बेचने तक का धन्धा करते है और ऐसे अवसरवादियों और दलबदलुओं को अपने नीजि स्वार्थ के लिए टिकट दिलवा देते है जिनका पार्टी से कोई मतलब या वास्ता नही होता । अच्छा हो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस युवराज राहुल गांधी राजीव गांधी की तरह सीधे धरातल से जुडे कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करे । आम कार्यकताओं से हकीकत जाने और उनसे सीधा संवाद भी स्थापित करे ताकि आम कार्यकर्ता का मनोबल बना रह सके। राजीव गांधी ने देश में संचार क्रान्ति को चरम पर पहुंचाया और देश को सूचना प्रोधोगिकी के क्षेत्र में नई दिशा दी। तभी तो आज हर हाथ में माबाईल और हर धर में टेलीविजन नजर आता है। जो राजीव गांधी की देन है। कम्प्यूटर क्रान्ति के माध्यम से उन्होने देश को दुनिया के करीब लाने का जो काम किया है। राजीव गांधी ,जिनका रानीतिक अनुभव बहुत कम होते हुए भी उन्होने देश के निमार्ण में एक नया अध्याय लिखा और भारतीय प्रोधोगिकी और जनसंचार के क्षेत्र में भारत को बुलन्दियों पर पहुंचाने में महारथ हासिल की थी।

कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता। सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता। वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है। इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

होगा देश का....? एक मिट्टी का तेल छिड़क रहा.... दूसरा चिंगारी ढूँढ रहा....!

ओमप्रकाश मेहता

आजादी के बाद शायद पहली बार आज भारत एक अजीब दौर से गुजरने को मजबूर है, जहां एक सियासी दल कथित तौर पर देश में मिट्टी का तेल छिड़क रहा है, तो दूसरा दल चिंगारी खोज रहा है, आखिर ऐसी स्थिति में इस देश का भविष्य क्या होगा? यह अहम चिंता आज देश के ''कर्णधारों'' को नहीं बल्कि आम देशवासी की है, जो अपने जीवन यापन सहित कई अन्य समस्याओं से जूझ रहा है, आज की सियासत जहां धर्म का सहारा लेकर अगले पच्चीस साल तक सत्ता में बने रहने का सुनहरा ख्वाब देख रही है, वहीं इसी घिनौनी सियासत के कुछ स्वार्थी शोले पूरे देश को साम्प्रदायिकता के दावानल में पूरे देश को झौंकने की कोशिश कर रहे हैं आखिर इस देश का ऐसे में भविष्य क्या होगा? आज देश में धर्मान्धता इतनी अधिक हावी हो गई है कि अब देश के हर मंदिर-मस्जिद को शक की नजर से देखा जाने लगा है और हर सियासी नेता मंदिर-मस्जिद में जाकर ''पुरातत्व शास्त्री'' बनने की कोशिश कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाह रहा है। उसे हर मंदिर- मस्जिद में छद्म धर्म नजर आने लगा है, जिसके सहारे वह अपनी सियासी स्वार्थ सिद्धी करना चाहता है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि दो दशक पहले अयोध्या-बाबरी मस्जिद के चलते भी सियासत इतनी हावी नहीं हो पाई थी, जितनी की आज ज्ञानवापी के मुद्दें पर हावी हो रही है, अभी तो आगे मथुरा तथा अन्य आराध्य स्थालों पर भी सियासी नजर है, यही नहीं यह सिलसिला कहां जाकर थमेगा? इसका उत्तर भी किसी के भी पास नहीं है, क्योंकि अभी तो यह सिलसिला उत्तरप्रदेश में ही पूरा नहीं हो पा रहा है, मध्यप्रदेश व अन्य प्रदेशों के धार्मिक स्थलों की बारी कब आएगी, कुछ भी नहीं कहा जा सकता, जबकि आज से इक्कत्तीस साल पहले 1991 में संसद द्वारा पारित ''पूजा कानून'' ने सिर्फ अयोध्या प्रसंग को ही इस कानून की बाध्यता से छूट दी थी बाकी तो किसी भी विवाद को इस कानून के दायरे से

बाहर नहीं रखा था, जिससे ज्ञानवापी, मथुरा आदि सभी शामिल है, किंतु उस कानून को लागू करके उसके तहत् कार्यवाही करने वाली सरकार ही कुछ नहीं कर उसमें अपनी सियासत देख रही हो तो, इसे क्या कहा जाए? फिर देश का रक्षक कौन?

आज इक्कत्तीस साल पहले (1991) में संसद ने जो कानून पारित किया था, उसमें कहा गया था कि देश के स्वतंत्रता दिवस अर्थात् पन्द्रह अगस्त 1947 के बाद देश की किसी भी धार्मिक पुरातात्विक धरोहर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी, न ही उसे विवाद का मुद्दा ही बनाया जाएगा और यदि किसी ने इस दिशा में कोई प्रयास किया तो उसे उक्त कानून के तहत दण्डित किया जाएगा, अब यह तो सही है कि उस कानून की ज्ञानवापी की आड़ में धज्जियां तो उड़ाई जा रही है, किंतु ऐसे दोषियों को दण्डित कौन करें? जब दण्ड देने वाला ही इस अपराध के दोषियों में शामिल हो? इसीलिए इस मसले पर पूरा देश चिंतित और परेशान है। ....और यह भी सही है कि अभी इस सिलसिले को नहीं रोका गया तो यह सिलसिला कहाँ-कहाँ तक पहुंचेगा, इसकी फिलहाल कल्पना भी मुश्किल है? शायद देश का कोई भी प्रमुख सियासी या धार्मिक शहर इससे वंचित नहीं रह पाएगा? फिर क्या होगा? क्या इसी माहौल के साये में हम हमारी आजादी की ''पचहत्तरवीं'' (हीरक) जयंती मनाएगें?

इसके साथ ही सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि इस सियासी व मजहबी छूत के रोग को रोकने का अब तक किसी ने भी प्रयास नहीं किया, उल्टे इसके विस्तारण की दिशा में ही प्रयास किये गये है? जबकि देश पर शासनारूढ़ राजनीतिक दल व उसके सियासतदारों को यह करना चाहिये? ऐसे माहौल को लेकर यदि कोई एकमात्र सर्वाधिक चिंतित वर्ग है तो वह देश का आम नागरिक है, जिसे अपने साथ देश की भी चिंता है। अब यही हर किसी की समझ से बाहर है कि मिट्टी का तेल छिड़के इस देश को चिंगारी से कैसे बचाया जाए? और यह पुनीत कार्य करे कौन?

तपती धरती का जो ज़िम्मेदार,बचाव भी उसी से दरकार

सूडोकु नवताल- 6079

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6078 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

निर्मल रानी

मौसम विशेषज्ञों द्वारा ग्रीष्म ऋतू शुरू होने से पहले ही यह भविष्यवाणी कर दी गयी थी कि इस बार दुनिया के अधिकांश देश झुलसाने वाली अभूतपूर्व गर्मी का सामना कर सकते हैं। सहस्त्राब्दियों पुराने ग्लेशियर्स के लगातार पिघलते रहने के बीच जब यह ख़बर भी आयी थी कि पूरे विश्व को प्रकृतिक रूप से लगभग बीस प्रतिशत ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाले अमेज़ॉन के सैकड़ों किलोमीटर क्षेत्र के जंगलों को ब्राज़ील सरकार के संरक्षण में विकास के नाम पर काट दिया गया है। तभी यह अंदाज़ा होने लगा था कि दुनिया भविष्य में अभूतपूर्व तपिश का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। और पूरे विश्व विशेषकर भारत को भी इसबार झुलसती गर्मी का सामना करना पड़ा। देश के विभिन्न स्थानों पर 2 से लेकर 3 प्रतिशत तक सामान्य तापमान में वृद्धि दर्ज की गयी। राजधानी दिल्ली के मंगेशपुर नामक एक क्षेत्र में तो पारा 49 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। जगह जगह सूखा पड़ने की ख़बरें आईं।

निश्चित रूप से आम लोग ग्लोबल वार्मिंग रुपी इस त्रासदी से पूरी तरह तो हरगिज़ नहीं निपट सकते। क्योंकि विकास और प्रगति के नाम पर छिड़ी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा के ज़िम्मेदार दुनिया के शासक और सरकारें हैं। इन्हीं का काम ऐसी %विकासवादी% योजनायें बनाना है जो प्रायः पर्यावरण विरोधी होती हैं। जिनमें हरे प्राकृतिक जंगल काटे जाते हैं और सीमेंट व कंक्रीट के %तपते जंगलों% का विस्तार किया जाता है।

परन्तु ऐसा भी नहीं है कि हम अपने,अपने घरों के आसपास का तापमान कम या स्थिर रखने के लिये अपने स्तर पर कुछ भी नहीं कर सकते। तपिश कम करने और ग्लोबल वार्मिंग से जूझने के ऐसे तमाम छोटे छोटे उपाय हैं जिनका सीधा संबंध सरकार या शासन से नहीं बल्कि आम लोगों से है। जिन्हें अपनाकर हम स्थानीय स्तर पर कम से अपने अपने घर परिवार में तो झुलसती गर्मी से राहत महसूस कर ही सकते हैं और प्रकृति प्रदत्त इस बेशक़ीमती जल और ऑक्सीजन युक्त धरा का सम्पूर्ण नहीं तो कुछ क़र्ज़ तो अदा कर ही सकते हैं।

सर्वप्रथम हमें अपनी यह सोच बनानी होगी और अपने बच्चों में भी पैदा करनी होगी कि वातावरण को कम से कम गर्म होने दें। इसके लिये %धुंआ% ,अग्नि और गर्म हवा के उत्सर्जन को जितना संभव हो सके,कम करें। प्रायः देखा गया है कि लोग अपने घरों के बाहर कूड़ा करकट ख़ासकर प्लास्टिक पॉलीथिन आदि इकट्ठाकर उसमें आग लगा देते हैं। आज कल विशेषकर स्वच्छता अभियान के तहत जब घर घर से कूड़ा इकट्ठा करने का कार्य सरकारी स्तर पर किया जा रहा हो और इस व्यवस्था के बदले नक़द भुगतान भी जनता ही कर रही हो ऐसे में कूड़ा व प्लास्टिक आदि जलाने का ही कोई औचित्य नहीं है। कई बार यह भी देखा गया है कि स्वयं नगर परिषद / निगम के सफ़ाई कर्मचारी ही झाड़ू से एक जगह कूड़ा इकठ्ठा कर उसमें आग लगा देते हैं। कबाड़ का काम करने वाले तमाम लोग रबड़ आदि जलाकर ज़हरीला काला धुआं पैदा करते हैं। इस पर भी नियंत्रण पाना ज़रूरी है। स्टेशन के आस पास बैठे भिखारी तो सर्दियों के अतिरिक्त गर्मी में भी कूड़ा जलाकर प्रदूषण फैलते हैं। गाय-भैंस पालक प्रायः मच्छर भगाने की परंपरा के नाम पर पशुओं के आस पास धुआं करते हैं जिससे पशु भी परेशान होते हैं और आस पास का पूरा क्षेत्र भी प्रदूषित होता है। परन्तु न तो स्वयं इनकी समझ में आता है कि यह इसी स्वर्ग रुपी पृथ्वी को कितना नुक़सान पहुंचा रहे हैं न ही इन्हें कोई समझने वाला है। अपने आसपास के वातावरण को और अधिक गर्म होने से बचाने के लिये दूसरा उपाय है कम से कम विद्युत् खपत की जाये । विशेषकर गर्मियों में बेतहाशा व अनावश्यक रूप से चलने वाले एयर कंडीशनर्स, वातावरण को सबसे अधिक गर्म करते हैं। बड़े मकानों में तो कई कई ए सी लगाकर अधिक से अधिक बिजली बिल चुकाने व वातावरण को गर्म करने में साझीदार बनने से बेहतर है कि अपने घरों को सेंट्रली एयर कूल्ड करने की व्यवस्था करें।

किसकी हिम्मत, जो अंग्रेजी को हटाए?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा की कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए कई मुद्दे उठाए, जिसमें भाषा का मुद्दा प्रमुख था। राजभाषा हिंदी को लेकर पिछले दिनों दक्षिण में काफी विवाद छिड़ा था। मोदी ने यह तो बिल्कुल ठीक कहा कि सभी भारतीय भाषाओं को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए लेकिन मोदी ने यह नहीं बताया कि पिछले 75 साल में बनी सभी सरकारें क्या देश की एक भी भाषा को उसका उचित सम्मान और स्थान दिला सकी हैं। मोदी सहित सभी प्रधानमंत्रियों ने अंग्रेजी के आगे अपने घुटने टेक रखे हैं। सभी भाषाओं को अपनी नौकरानी बनाकर अंग्रेजी खुद महारानी बनी बैठी है। सरकारें चाहे कांग्रेस की हों, भाजपा की हों, जनता पार्टी की हों, समाजवादी पार्टी की हों, कम्युनिस्ट पार्टी की हों या प्रांतीय पार्टियों की हों, सभी आज तक अंग्रेजी की गुलामी करती रही हैं। उन समस्त लोकसभाओं और विधानसभाओं में कानून सदा अंग्रेजी में बनते रहे हैं, उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों के फैसले अंग्रेजी में होते रहे हैं, मंत्रिमंडल के सभी फैसले अंग्रेजी में होते रहे हैं और हमारी उच्च नौकरशाही अंग्रेजी की गुलामी में सबसे आगे बनी रहती है। जब मेरे मास्को, लंदन और न्यूयार्क के सहपाठी पहली बार भारत आते हैं, वे हमारे बाजारों के अंग्रेजी नामपटों को देखकर और दिल्ली में अंग्रेजी के इतने अखबारों को देखकर दंग रह जाते हैं। वे कहते हैं कि किसी भी आजाद देश में हमने ऐसी सांस्कृतिक गुलामी नहीं देखी। भारत की शिक्षा और चिकित्सा में भी अंग्रेजी छाई हुई है। जब अब से लगभग 55-56 साल पहले मैंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शोधग्रंथ हिंदी में लिखने की मांग की थी तो भारत की संसद ठप्प हो गई थी। आखिरकार मेरी विजय हुई। जवाहरलाल नेहरु विवि में सबसे पहली पीएच.डी. लेनेवालों में मेरा नाम था लेकिन आज तक भारत के कितने विश्वविद्यालयों में कितनी पीएच.डी. हिंदी माध्यम से हुई हैं? इसी प्रकार कई स्वास्थ्य मंत्रियों ने मुझसे वादा किया कि वे मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरु करवाएंगे लेकिन क्या आज तक वह शुरु हुई? अदालत की कार्रवाई, वकालत और डॉक्टरी देश में ठगी के सबसे बड़े धंधे इसीलिए बने हुए है कि उन्होंने जादू-टोने का रूप ले लिया है। महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया ने अंग्रेजी की इस गुलामी के दुष्परिणामों को बहुत अच्छी तरह रेखांकित किया था। गुरु गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय और अटलजी तथा मुलायमसिंह, राजनारायण और मधु लिमये ने इस अभियान को जमकर चलाया था लेकिन आजकल के सभी नेता और सभी दल वोट और नोट के खेल में मदमस्त हो रहे हैं।

जिले में सरपंच, पंच, जनपद, आरक्षण की कार्यवाही 25 मई को होगी: कलेक्टर

मुरैना। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय एवं ग्राम पंचायतों के निर्वाचन की घोषणा कुछ समय बाद होगी। चुनाव की तैयारियों के लिये मुरैना जिले में सरपंच, पंच, जनपद, आरक्षण की कार्यवाही 25 मई को निर्धारित स्थानों पर किया जायेगा, इसके लिये अधिकारी पूर्ण तैयारी कर लें। ये निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बी कार्तिकेयन ने राजस्व, जनपद एवं नगरीय निकायों के अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रोशन कुमार सिंह, अपर कलेक्टर नरोत्तम भार्गव, नगर निगम कमिश्नर संजीव कुमार जैन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एल के पाण्डेय सहित समस्त एसडीएम जनपद सीईओ तहसीलदार, नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे।

कलेक्टर बी कार्तिकेयन ने कहा कि वर्ष 2011 की जनगणना के आकडों के अनुसार पंचायतों का परिसीमन की कार्यवाही विधि अनुसार वर्ष 2022 में संपन्न की जा चुकी है। इसके अनुक्रम में जनसंख्या के मान से उन पंचायतों में वार्डों/ निर्वाचन क्षेत्रों के आरक्षण की अवधारणा अनुसार वर्गवार आरक्षित होने वाले वार्डों / निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या भी निकाली जानी है तथा सभी पंचायतों में वार्डो/ निर्वाचन

क्षेत्रों का आरक्षण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़े वर्ग एवं महिलाओं के लिए स्थानों के आरक्षण की कार्यवाही की जाना है। ग्राम पंचायत के पंच, सरपंच, जनपद पंचायत के सदस्य एवं अध्यक्ष तथा जिला पंचायत के सदस्य के लिये अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों का आरक्षण उपरोक्तानुसार अधिनियम एवं नियम के प्रावधान अनुसार किया जाना है। अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण के लिए रिट पिटीशन (सिविल) ने निर्देश जारी किये गये हैं। तदनुसार अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण की कार्यवाही की जाए। आरक्षण के संबंध में अनुसूचित क्षेत्र (शेड्यूल एरिया) और गैर अनुसूचित क्षेत्र के लिए भिन्न-भिन्न प्रावधान हैं, जबकि महिलाओं के लिए स्थानों और पदों के आरक्षण के प्रावधान गैर अनुसूचित क्षेत्र तथा अनुसूचित क्षेत्र (शेड्यूल एरिया) इन दोनों प्रकार के क्षेत्रों में कुल स्थानों/पदों की संख्या में कम से कम आधे स्थान आरक्षण करने का प्रावधान एक समान है। इसलिए दोनों क्षेत्रों की आरक्षण प्रक्रिया की व्याख्या पृथक-पृथक नीचे दी जा रही है- सामान्य (गैर-अनुसूचित क्षेत्रों में विभिन्न प्रवर्गों के लिए आरक्षण के प्रावधान ग्राम पंचायत के वार्ड, जनपद व जिला पंचायत के निर्वाचन क्षेत्र के लिए आरक्षण, अ.जा. तथा अ.ज.जा. अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) (एक) के अनुसार पंचों के वार्ड, धारा 23 की उपधारा 3 (एक) के अनुसार जनपद पंचायत के निर्वाचन क्षेत्र, धारा 30 की उपधारा 3 (एक) के अनुसार जिला पंचायत के निर्वाचन क्षेत्र में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति प्रवर्ग का आरक्षण क्रमशः ग्राम पंचायत क्षेत्र, जनपद पंचायत क्षेत्र एवं जिला पंचायत क्षेत्र की कुल जनसंख्या में अ.जा./ अ.ज.जा. की जनसंख्या के अनुपात (प्रतिशतता) के अनुसार अवरोही क्रम में होगा। अन्य पिछडे वर्ग- राज्य शासन द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण के लिए रिट पिटीशन ने निर्देश जारी किये हैं। तदनुसार अन्य पिछडे वर्ग के लिए आरक्षण की कार्यवाही की जावेगी। महिला वर्गः- मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 13.5.6 के प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत में वार्ड धारा 23.4.5 के प्रावधान अनुसार जनपद पंचायत के निर्वाचन क्षेत्र तथा धारा 30.4.5 के अनुसार जिला पंचायत के निर्वाचन क्षेत्रों में से कुल स्थानों की संख्या से कम से कम आधे स्थान यथास्थिति अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडे वर्गएवं अनारक्षित वर्ग में 50 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे।

अपराधी किसी भी सूरत में न बचे तभी चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण संपन्न होंगे : कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बी. कार्तिकेयन ने राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस सप्ताह नगरीय निकाय एवं पंचायतों के चुनाव की तिथी निर्धारित की जायेगी। चुनाव आयुक्त प्राप्त निर्देशों के आधार पर इस बार चुनाव संपन्न कराने के लिये बहुत कम समय रहेगा। इसलिये राजस्व एवं पुलिस अधिकारी जिल में पंचायत एवं नगरीय निकायों के चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिये अपराधियों पर अभी से कार्यवाही प्रारंभ करें। अपराधी किसी भी सूरत में बचना नही चाहिये। ये निर्देश उन्होंने राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी, सीईओ जिला पंचायत रोशन कुमार सिंह, एएसपी राय सिंह नरवरिया, अपर कलेक्टर नरोत्तम भार्गव सहित समस्त एसडीएम, एसडीओपी पुलिस, तहसीलदार, जनपद सीईओ, संबंधित थानों के प्रभारी उपस्थित थे। बैठक में पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने कहा कि राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों के लिये पंचायत एवं नगरीय चुनाव चैलेंज बना रहेगा। इसलिये समय रहते राजस्व एवं पुलिस अधिकारी चुनाव की घोषणा होने से पहले ऐसी कार्यवाही करें कि अपराधी चुनाव को दूषित करने का मन न बना सके। उन्होंने कहा कि राजस्व व पुलिस अधिकारी मिलकर मतदान केन्द्रों का भ्रमण करें, रास्ते देखों, इसके साथ ही स्ट्रॉग रूम का भी अवलोकन करें। उन्होंने कहा कि अवैध हथियार धारकों को पकड़ें अपने-अपने क्षेत्र से लगे अन्य जिले के अधिकारियों से मीटिंग करें, चुनाव, निष्टपक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न हो यह सब हमारा दायित्व है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जो भी कार्यवाही अपराधियों के विरूद्ध करने है उसमें कोताही न बरतें। जो लोग जिला बदर हैं वे जिले की सीमा में दिखना नही चाहिये। भ्रमण करते समय ग्राम रक्षा समिति, कोटवार, का भी सहयोग लें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र का प्रतिदिन 2 या 3 गांव में भ्रमण कर ग्रामीणों के बीच रहकर उन्हें समझाईश दें।

भारतीय जनता पार्टी जिला विधि प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न

मुरैना। भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ जिला मुरैना की बैठक भाजपा कार्यालय मुरैना में संपन्न हुई जिसमें मुख्य रूप से विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक आनंद बरुआ (एडवोकेट), राम कुमार

महेश्वरी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा मौजूद रहे। उन्होंने जिले में विधि प्रकोष्ठ के कार्य विस्तार को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि अधिवक्ता साथी भारतीय जनता पार्टी के लिए मुख्य रूप से भूमिका निभाता आ रहा है। आगामी चुनाव में हमें प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार 10 प्रतिशत वोट प्रत्येक बूथ पर जाकर बढ़ाना है, इसके लिए सभी टोली बनाकर अपने तहसील एवं मंडल केंद्र पर जाकर कार्य करेंगे। बैठक में उपस्थिति जिले के भाजपा महामंत्री चारुकृष्ण डंडोतिया ने सभी अधिवक्ता साथियों से कहा कि आगामी समय में चुनाव होना है, जिसमें अधिवक्ता की जिम्मेदारी अहम रूप निभाएगी। उन्होंने कहा कि विधि प्रकोष्ठ संगठन विस्तार की कार्य योजना तैयार होनी हैं। पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता अधिवक्ता साथी नगर पालिका एवं पंचायत चुनाव में एकजुट होकर कार्य करें। बैठक में अंबाह, पोरसा, जौरा व मुरैना नगर केंद्र से विधि प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सफलता की कहानी: बच्चेदानी का ऑपरेशन कराने में आयुष्मान भारत निरामय कार्ड बना वरदान

मुरैना। 36 वर्षीय शारदा की बच्चेदानी ऑपरेशन कराने में आयुष्मान भारत निरामय कार्ड वरदान बना। आयुष्मान भारत निरामय कार्ड श्रीमती शारदा के लिये वरदान इसलिये साबित हो गया कि उसके पास बच्चेदानी ऑपरेशन कराने के लिये 40 हजार रूपये नहीं थे। वह ऑपरेशन कराने के लिये परेशान थी। दर्द से काफी परेशान एवं लंबे समय से पीड़ा झेल रही थी। जिला चिकित्सालय के डॉक्टर अनूप गुप्ता के कहने पर तत्काल आयुष्मान भारत कार्ड बनवाया। इस कार्ड के आधार पर पत्नी को अस्पताल में भर्ती कर किया और निःशुल्क ऑपरेशन हो गया व दवाईयां इंजेक्शन भी फ्री मिले। श्रीमती शारदा ने पति विनोद माहौर ने बताया कि मेरी पत्नी को पेट में दर्द होता था तो प्राइवेट अस्पताल में जगह-जगह दिखाया, सभी ने बच्चेदानी को निकालने के लिये कहा वहां पर 30 हजार से 40 हजार रूपये खर्चा बताया। मैं गरीब मेहनत मजदूरी करके दो वक्त की रोटी जुटाना मेरे लिये दुर्लभ था। ऐसे में पत्नि के ऑपरेशन के लिये पैसा कहां से लाता।

किसान भू-अधिकार ऋण पुस्तिका ऑनलाइन प्राप्त करें

- ई-तकनीक का फायदा उठाएँ किसान

मुरैना। किसानों और आम जनता को भू-अधिकार ऋण पुस्तिका प्राप्त करने के लिए अब पटवारी के पास जाने की जरूरत नहीं है। आम जनता की सुविधा के लिये भू-अधिकार ऋण पुस्तिका को ऑनलाइन कर दिया गया है। कोई भी व्यक्ति अपनी भू-अधिकार ऋण पुस्तिका को नजदीकी कियोस्क सेंटर अथवा कॉमन सर्विस सेंटर या स्वयं के एन्ड्रायड मोबाइल से निर्धारित शुल्क 10 रूपये अदा कर ले सकता है। कृषकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजस्व विभाग ई-तकनीक को बढावा दे रहा है, ताकि किसानों एवं आमजन को तहसील एवं पटवारी के चक्कर न लगाने पड़े। वर्षों पूर्व आमजन और किसानों को अपने खाते की नकल पाना कठिन कार्य था। जन-मानस की परेशानी को ध्यान में रखते हुए राजस्व विभाग के नियमों में बदलाव कर जन-सुविधा से जुड़े अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। राजस्व विभाग द्वारा कृषकों से अपील की गई है कि सुविधाजनक रूप से किए गए बदलाव का ई-तकनीक के माध्यम से लाभ उठाएँ और परेशानी से बचें। सरकार द्वारा किसानों या आमजन को उनके खाते की खसरा, वी-1 एवं ऋण-पुस्तिका की प्रति वाट्सएप पर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

सभी जिलों का भूमि रिकॉर्ड हुआ ऑनलाइनः राजस्व विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों के भूमि रिकॉर्ड को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब मध्यप्रदेश के किसी भी जिले से संबंधित भूमि रिकॉर्ड को जनता ऑनलाइन घर बैठे देख सकती है। अब जन-मानस को सरकारी कार्यालयों में छोटी-छोटी सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए बार-बार नहीं जाना पड़ेगा। मध्यप्रदेश भू-अभिलेख पोर्टल के माध्यम से खसरा-खतौनी की नकल, भू-अभिलेख का रिकॉर्ड, आबादी सर्वे का रिकॉर्ड, बंधक भूमि की स्थिति, बंदोबस्त अधिकार अभिलेख, बंदोबस्त निस्तार पत्रक की स्केन प्रति, जमा बंधी नकल, खेत का नक्शा, विवादित भूमि का विवरण ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की मदद से युवा प्रारंभ कर सकते है अपना रोजगार

मुरैना। प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना के अन्तर्गत रोजगार स्थापित करने के लिए एक लाख से 50 लाख रूपये तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अन्तर्गत पात्र ऋण परियोजना में उद्योग (विनिर्माण) इकाई के लिए एक लाख रूपये से 50 लाख रूपये तक और सेवा इकाई एवं खुदरा व्यवसाय के लिए एक लाख रूपये राशि से 25 लाख तक की परियोजनाएं स्थापित की जा सकती हैं। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक मध्यप्रदेश का स्थानीय निवासी हो तथा आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। इसी प्रकार आवेदक न्यूनतम 12 कक्षा उत्तीर्ण हो, आय सीमा परिवार की वार्षिक आय रूपये 12 लाख से अधिक न हो। आवेदक अथवा परिवार का सदस्य आयकरदाता है तो पिछले तीन वर्षों की आयकर विवरणियां आवेदन के साथ संलग्न करना होगा। ऐसे पात्र व्यक्तियों से मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेने की अपील की गई है। योजनान्तर्गत वित्तीय सहायता सभी वर्गों के हितग्राही की बैंक द्वारा वितरित ऋण (टर्मलोन, वर्किंग केपिटल) पर 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान स्वीकार्य होगा।

नारियों के लिए वैचारिक और सामाजिक स्वतंत्रता का बिगुल फूंकने वाले समाज सुधारक थे राजा राममोहन राय: आचार्य

समाज सुधारक राजा राममोहन राय की जयंती पर जरूरतमंदों को भोजन कराया

अम्बाह। ब्रह्म समाज के संस्थापक, सती प्रथा के विरुद्ध नारी सशक्तिकरण के पक्षधर राजा राममोहन राय की जयंती पर आचार्य आनंद टीम द्वारा जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर राजा राममोहन राय कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए आयोजक समाजसेवी सुधीर आचार्य ने कहा कि राजा राममोहन राय ने सदैव समाज को जाति भेद से परे मानवतावादी पथ पर चलाने का प्रयास किया। उन्होंने अपने कार्यकाल में नारी स्वतंत्रता और सशक्तिकरण का न सिर्फ पक्ष किया बल्कि सती प्रथा को बंद कराया और महिलाओं के वैचारिक एवं सामाजिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास किए व उनकी शिक्षा-दीक्षा को बढ़ावा दिया। उन्होंने विकास से पिछड़ रहे सभी वर्ग के लोगों को रुढ़िवादी परंपराओं से मुक्त करने की पहल की। राजा राममोहन राय नारियों की वैचारिक और सामाजिक स्वतंत्रता का बिगुल फूंकने वाले क्रांतिकारी समाजसेवी थे। कार्यक्रम संयोजन संयुक्त रूप से आनंद विभाग के जिला संपर्क समन्वयक बालकृष्ण शर्मा, अरविंद मावई और आनंदक अंकित मिश्रा ने किया। व्यवस्थापक के रूप में मनोज पंडित, दुष्यंत तोमर, महेंद्र सखवार, विश्वनाथ गुर्जर, गोपाल दीक्षित, विशेष रूप से सहयोगी रहे।

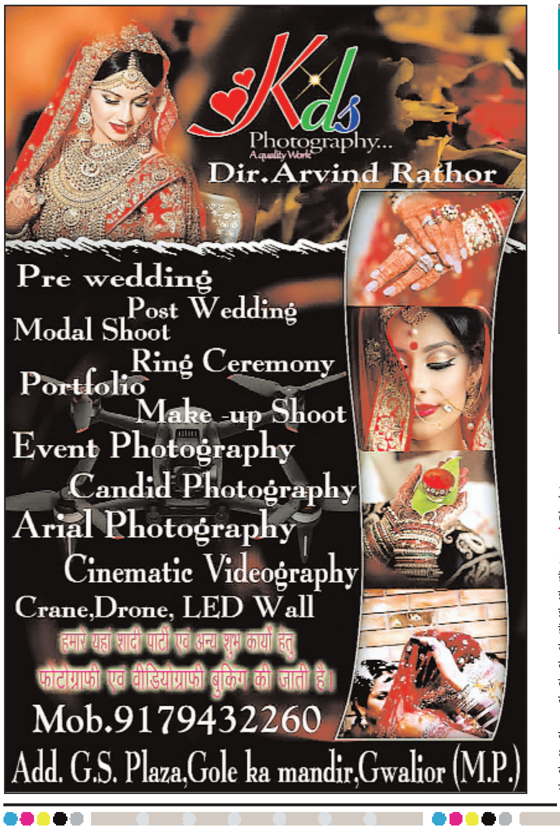

29 मई को आयोजित होगा भगवान शांतिनाथ का महामस्तकाभिषेक

- जैन तीर्थ क्षेत्र सिहोंनिया में जुटेंगे हजारों जैन श्रद्धालु

अम्बाह। चंबल अंचल के प्रसिद्ध धर्मस्थल जैन अतिशय तीर्थक्षेत्र सिहोंनिया में 1100 से अधिक वर्ष पुरानी भगवान भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम 29 मई रविवार को समारोह पूर्वक आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप, मोक्ष कल्याणक महोत्सव भी मनाया जाएगा। सांध्य कालीन बेला में 108 दीपकों से भगवान की महाआरती की जाएगी। इस कार्यक्रम में देश भर से लगभग 15 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। कार्यक्रम के लिए आयोजन समिति ने तैयारियां प्रारंभ कर दी है।

इस आयोजन के लिए देशभर से जैन समाज को आमंत्रित करने जगह-जगह आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। आयोजन कमेटी के आशीष जैन सोनू के अनुसार सिहोंनिया स्थित जैन मंदिर की प्राचीन भगवान शांतिनाथ व अरहनाथ कुंथुनाथ की प्रतिमाओं का महामस्तकाभिषेक 29 मई को उत्साहपूर्ण माहौल में होगा। कार्यक्रम में 1008 कलशों से

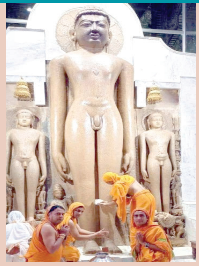

भगवान का महामस्तकाभिषेक होगा। इस दिन सुबह 7 बजे नित्य अभिषेक पूजन शांतिधारा होगी। इसके बाद 8 बजे पंडित राजेन्द्र जैन शास्त्री, पंडित संजय शास्त्री के मार्गदर्शन में विश्व शांति जनकल्याण हितार्थ श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन होगा। भगवान के जन्म, तप, मोक्ष कल्याणक की पूजा उपरांत प्रातः 10 बजे भगवान का महा मस्तकाभिषेक होगा। इस दौरान मौजूद श्रद्धालुओं द्वारा भगवान से विश्व शांति जनकल्याण की सामूहिक प्रार्थना की जाएगी।

शहर की सड़कें क्षतिग्रस्त, पहले से सीमेंटेड रोड पर डाली जा रही सड़क

अधिकारियों की मिली भगत से कमीशन के चलते हो रहे काम

मुरैना। पिछले 4 साल से शहर के 80 प्रतिशत मार्ग क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़े हैं, जिससे आम जनता परेशान है, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम द्वारा ऐसे इलाकों में सड़कों का काम कराया जा रहा है, जहां पहले से ही अच्छी सीमेंटेड सड़कें बनी हुई है। ऐसा लगता है कि यह सब कमीशन खोरी के चलते हो रहा है, इसको लेकर लोगों में आक्रोश है तथा उक्त सड़क के वीडियो वायरल किए जा रहे हैं।

बताया जाता है कि नगर निगम मुरैना की मेहरबानी से शहर की आम जनता क्षतिग्रस्त सड़कों से गुजर कर अपना काम कर रही है। शहर की अधिकांश सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं तथा उबड़

खाबड़ हो चुकी है, जिन पर चलना भी नामुमकिन हो गया है। वहीं निगम अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से ऐसे गली बस्तियों में सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है, जहां पहले से ही पक्की रोड बनी हुई है और वहां इसकी आवश्यकता ही नहीं है। ऐसा ही एक मामला कृष्णा विहार कॉलोनी बड़ोखर माता मंदिर के सामने का आया है, जहां पक्की रोड होने के बावजूद फिर से सड़क डाली जा रही है। जब कि शहर में 80 प्रतिशत से अधिक सड़कें क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं, जिन पर पिछले 4 साल से नगर निगम कोई ध्यान नहीं दे रही है। सीवरेज का काम अभी भी पूर्ण नहीं हुआ है तथा छुटपुट काम गली मोहल्लों में चल रहा है। कंपनी द्वारा जहां-जहां काम पूरा हो चुका है, वहां उन्होंने जहां-जहां खुदाई की उतने में ही सड़क की मरम्मत कर दी है और तभी से अधिकांश सड़कें ऊबड़ -खाबड़ अवस्था में पड़ी हुई है। जिला कलेक्टर की निष्क्रियता एवं नगर निगम अधिकारियों की हठधर्मिता और कमीशनखोरी के चलते आम जनता इसका खामियाजा भुगत रही है।

भारतीय कलाकार संघ ने अर्पित गुप्ता को किया दतिया कला महोत्सव अवार्ड 2022 से सम्मानित

पुष्पांजली टुडे न्यूज नेटवर्क

ग्वालियर- शहर सहित मध्यप्रदेश में अपनी अलग ही पहचान बना चुके समाजसेवी,लेखक व पत्रकार अर्पित गुप्ता को दतिया में सम्मानित किया गया।यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता ने बहुत ही कम समय में समाजसेवा व पत्रकारिता क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है जिसके चलते उन्हें लगातार हर क्षेत्र में पदोन्नति भी मिली है।अर्पित गुप्ता को दतिया में भारतीय कलाकार मंच के तत्वावधान में आयोजित दतिया कला महोत्सव अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया।भारतीय कलाकार मंच का यह कार्यक्रम माँ पीताम्बरा की नगरी दतिया के गायत्री गार्डन में सम्पन्न हुआ।उक्त अवार्ड मध्यप्रदेश शासन के गृहमंत्री,जेल विधि एवम संसदीय कार्य मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा एवम भारतीय कलाकार मंच के राष्ट्रीय संयोजक अंकुर पेंटर,संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.जेपी कृष्णा व राष्ट्रीय सचिव दीपक सिंह पाचोर के द्वारा दिया गया।यहां बता दें कि मां पीताम्बरा की नगरी दतिया में यह कार्यक्रम तीन दिवस से चल रहा था जिसका शुभारंभ 19 मई 2022 को हुआ था जिसमे देश दुनिया के कोने कोने से

कलाकार पहुंचे थे,जिसमे सभी कलाकारों ने अपनी कलायो का प्रदर्शन किया।जिसमे कर्नाटक,तमिलनाड,बिहार,राजस्थान,हरियाणा,जयपुर,उत्तरप्रदेश,उत्तराखंड,मध्यप्रदेश के साथ साथ अन्य सभी जगहों से कलाकार पहुंचे थे और अपनी कला का प्रदर्शन किया था।यहां बताना मुनासिब होगा कि अर्पित गुप्ता को पहले भी समाजसेवा के क्षेत्र में व पत्रिकारिता के क्षेत्र में कई अवार्ड मिल चुके हैं जिसमे वर्ष 2018 में राजस्थान जयपुर में उन्हें साहित्यकार सम्मान,वर्ष 2019 में हरियाणा जिले में साहित्यकार सम्मान से नवाजा है चुका है।इसके अलावा भी अर्पित गुप्ता को कई अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।अर्पित गुप्ता पत्रकार के साथ साथ समाजसेवा भी करते हैं एवम वह एक बेहतरीन लेखक भी हैं साथ ही वह पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष व पुष्पांजली टुडे समूह के उपसम्पादक भी हैं।माँ पीताम्बरा की नगरी दतिया में भारतीय कलाकार मंच के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम दतिया कला महोत्सव 2022 अवार्ड से सम्मानित होने पर अर्पित गुप्ता ने भारतीय कलाकार मंच की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया एवम उन्होंने प्रदेश प्रवक्ता शिवम यादव जी को इस कार्यक्रम में आमंत्रण के लिए विशेष धन्यवाद प्रकट किया।

ग्वालियर के - देवू माहौर बने मिस्टर इंडिया

पुष्पांजली टुडे

भारत की जानी मानी टेलेंटिका एजेंसी के दुआरा मिस्टर इंडिया इंटरनेशनल की प्रतियोगिता 8 मई से 14 मई तक रखी गयी। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर की रखी गयी। जिसमे कई राज्यो से चुने हुए प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता 7 दिन तक कि गयी जिसमे कई चरणों मे कुछ बेहतरीन प्रतिभागी अव्वल 5 चूने गये। इन5 प्रतिभागियों मे से जिसने सबसे शानदार प्रदर्शन दिया है इस दौरान सारे निर्णायको की सहानुभूति द्वारा निर्णय दिया गया। अतः टेलेंटिका एजेंसी द्वारा विजेता को मिस्टर इंडिया का स्वर्ण मुकुट ओर शेष पहनाया गया। देवू माहौर सीधी मानव सेवा समिति सदस्य भी है जिससे समिति के और ग्वालियर के वासियो को बहुत खुशी है।

रैपिड एक्शन फोर्स ने मान टाउन व खंडार थाना क्षेत्र में किया फ्लैग मार्च

जितेंद्र सिंह पुष्पांजलि टुडे

राजस्थान। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश अनुसार राजस्थान में तैनात रैपिड एक्शन फोर्स 83 बटालियन द्वारा शुक्रवार को खंडार थाना मानटाउन

थाना क्षेत्र का निरीक्षण कर भौगोलिक स्थिति में रूबरू होने का उद्देश्य से फ्लैग मार्च किया रैपिड एक्शन फोर्स खंडार पहुंचने पर पूर्व सरपंच लड्डू लाल सैनी व वर्तमान सरपंच गोट बिहारी राजू लाल ने थाना मुख्यालय पहुंचकर ग्राम वासियों के साथ एक्शन फोर्स 83 बटालियन के सहायक कमांडेंट श्रवण कुमार मीणा व थाना अधिकारी भगवान सहाय का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया

दूरदराज इलाके थुरु (धरमारी) की अवाम के लिए मेडिकल कैम्प लगाया गया

रघुबीर ठाकुर पुष्पांजली टुडे

रियासी /धरमारी (22 मई 2022) ऑपरेशन सदभावना के तहत सेना की ओर से रविवार को रियासी जिले के दूरदराज इलाके थुरु (धरमारी) की अवाम के लिए मेडिकल कैम्प लगाया गया, जिसमें आसपास के गाँव से भारी मात्रा में लोग आये। आर्मी और पीएचसी धरमारी के कुल दो डॉक्टर तथा तीन नर्सिंग स्टाफ़ ने 250 से ज्यादा लोगो के स्वास्थ्य की जांच करने के साथ ही निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई।

इस मेडिकल कैम्प का उद्घाटन डी?डी?सी? मेम्बर ऐजाज अहमद खान ने किया। एक स्थानीय तालिब हूसेन ने बताया कि इस कैंप के आयोजन के लिए हम वास्तव में इस अचछी पहल के लिए भारतीय सेना के आभारी हैं, क्योंकि मेडिकल चेकअप (स्रहृद्द्र स्र्द्गस्रद्बष्ड्ड ष्द्धद्गष्द्म-श्च) और दवाओं की सुविधा यहां मुफ्त दी जा रही हैं।इस कैंप में मरीजों की देखभाल कर रहीं पीएचसी धरमारी की डॉक्टर रेखा सोन ने आए हुए लोगों को समय से टीकाकरण और सही खानपान के बारे में जानकारी दी तथा आर्मी के डॉक्टर ने लाइफ़स्टाइल से होने वाली बीमारियों और उनसे बचाव के बारे में बताया। इस मेडिकल कैम्प के मौके पर डी?डी?सी? मेम्बर ऐजाज खान, एसडीएम धरमारी तारिक अज़ीज़ , बी?डी?सी? चेयरमेन मखन चौधरी, इलाक़े के के पंचायत प्रतिनिधि व ग्रामीण भी उपस्थित थे।

बाघ संरक्षण एवं ग्रामीण विकास समिति स.मा. के तत्वाधान में मिशन बीट प्लास्टिक रणथम्भोर अभियान

पुष्पांजली टुडे

राजस्थान।रणथंभोर नेशनल पार्क परिक्षेत्र के बोदल वन क्षेत्र में स्थित बालाजी का मंदिर वन क्षेत्र में करीब 20 किलो प्लास्टिक व पॉलिथीन इक्कठी कर साफ सफाई की तथा कचरे को इक्कठा कर जंगल से बाहर लाकर नष्ट किया गया ! साथ ही मंदिर पर आने जाने वाले श्रद्धालुओं को कपड़े के बैग्स वितरित कर पॉलिथीन कैरी बैग के बहिष्कार की अपील की तथा प्लास्टिक व पॉलिथीन से होने वाले दुष्परिणामो की जानकारी देकर जागरूक भी किया गया !

रणथंभोर को स्नप्लास्टिक व स्नपॉलिथीन मुक्त करने के उद्देश्य के साथ हमारी संस्था पिछले 3 वर्ष से धरातल पर कार्य कर रही है जिसके तहत हर सप्ताह एक क्षेत्र तय कर उस क्षेत्र की साफ सफाई की जाती तथा लोगो को जागरूक किया जाता साथ ही कपड़े के बैग्स वितरित कर पॉलिथीन कैरी बैग्स के बहिष्कार की अपील की जाती है तथा हर बुधवार व शुक्रवार को जंगल से सटे गांवो के लोगो व स्कूली बच्चो को प्लास्टिक व पॉलिथीन से होने वाले दुष्परिणामो की जानकारी देकर जागरूक किया जाता है तथा कपड़े के बैग्स वितरित किये जाते है । इसके अतिरिक्त गणेश चतुर्थी के अवसर पर हर माह गणेश मंदिर परिक्रमा मार्ग व अष्टमी के अवसर पर कचिदा माता के मार्ग में जाने वाले लोगो को कपड़े के कैरी बैग्स वितरित कर पॉलीथीन कैरी बैग्स के बहिष्कार करने के प्रति जागरूक किया जाता है । इस अवसर पर संस्था के सदस्य गोविंद सैनी , दिनेश सैनी सुखवास , सोनू सैनी , अरविंद कुमार बैरवा , विनोद पिपलवाड़ा , विष्णु सैनी माधोसिंहपूरा , राजेश माधोसिंहपूरा व रूप सिंह मीना आदि मौजूद रहे !

महेन्द्र मुणोत का किया बहुमान

बेंगलूरू-कर्नाटका माजी सैनिक संघा द्वारा विजय नगर रविवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिसमें मुख्य अतिथि कैप्टन गणेश कर्णिक एवं महेंद्र मुणोत को पूर्व सैनिक द्वारा माला व शॉल ओंढाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों को महेन्द्र मुणोत ने धन्यवाद दिया ।

पूर्व सैनिक संगठन ग्वालियर चंबल संभाग के 4 सदस्यी डेलिगेशन मिला मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से।

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-पूर्व सैनिक संगठन ग्वालियर चंबल संभाग से आज चार सदस्यी डेलिगेशन ग्वालियर एयरपोर्ट पर माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मिला, डेलिगेशन की बनावट इस प्रकार थी

इंद्रपाल सिंह तोमर, अरविंद सिंह तोमर, बृजेश त्यागी व रूप सिंह तोमर 7 माननीय सीएम साहब द्वारा पूर्व सैनिकों के 10त्न आरक्षण को होरिजेंटल कंपार्टमेंट बायज यथावत करने का आश्वासन दिया गया 7 माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व सैनिक संगठन ग्वालियर चंबल संभाग के डेलिगेशन से विस्तार पूर्वक बात की और कहा कि मध्य प्रदेश के समस्त पूर्व सैनिकों को आप सूचित करें कि आप का 10 त्न आरक्षण यथावत जल्द से जल्द किया जाएगा7

कलेक्टर तक पहुंचा नगर परिषद रन्नौद प्रधान मंत्री आवास योजना में सीएमओ के दलालो मामला

हरिओम परिहार पुष्पांजली टुडे

रन्नौद। नवीन नगर परिषद रन्नौद में पदस्थ मुख्य नगर परिषद अधिकारी विनय कुमार भट्ट द्वारा सभी 1से 15 तक वार्डो में दलाल सक्रिय कर रखे हे कार्यालय में आवेदन हितग्राहियों से न लेकर हुए दलालों के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास का आवेदन लिया गया है एवं कार्यालय पर चस्पा कर दिया गया था कि प्रधान मंत्री आवास योजना का कार्य बन्द है लेकिन नगर में प्रभावशाली लोगों द्वारा एवं नगर के प्रत्येक वार्ड में दलालों द्वारा प्रधानमंत्री आवास का आवेदन देकर सीएमओ कार्यलय में भेजे गय और हितग्रहियों से सेवा शुल्क ली गी

इतना ही नहीं प्रधान मंत्री आवास योजना की पहली किस्त 1लाख डलवाने के एवज में 25 हजार से15 हजार रूपए तक दाल्लाओ द्वारा मांग की जा रही है पात्र हिग्राहियों से सुधीर रिछारिया ऐजिस इंडिया के इंजीनियर द्वारा 2000रू प्रति फोटू जीरो टेकिंग के नाम से गरीबों से मांग की जा रही है जिन लोगो द्वारा पेशा दिया जा रहा उन्हीं लोगो का जीरो टेकिंग फोटू खींचा जा रहा

नगर परिषद रन्नौद के आवास हितग्राहियों द्वारा सीएम हेल्प लाइन नंबर पर शिकायत भी को गई है लेकिन सत्ता पच्छा से संरक्षण में कार्य कर रहे सीएमओ एवं उनके दलालों पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है हितग्राहियों से बात कर उनके मन को जाना है यदि कलेक्टर कार्यालय से कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में भोपाल मुख्यमंत्री के दरबार में जाकर गुहार लगाएंगे नगर परिषद में होने वाली एवं पक्षपात करने वाले अधिकारियों पर और मांगने वाले फोटो खींचने वाले इंजीनियर पर कार्रवाई की मांग की गई है

जिला कलेक्टर के द्वारा दिए गए आश्वासन एक हफ़्ते में कार्रवाई की जाएगी

पुलिस ने थाना प्रभारी सहित स्टाफ ने दी संदिग्ध जगहों पर दविश

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद-पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपुसे द्वारा चलाए जा रहे अवैध शराब

जुआ सट्टा कारोबारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई के लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है जिसके चलते थाना प्रभारी राजेश सातनकर द्वारा मय फोर्स के बाईकों पर संसार होकर कई संदिग्ध जगहो पर दबिश दी पुलिस ने मंडी तिराहा गोलंबर तिराहा,गंज बाजार,सोलेरी जग्गा, पुरानी सब्जी मंडी,किला के पीछे फील्ड ,बड़ा बाजार,बाबा कपूर की गली, सती बाजार, सहित लगभग एक दर्जन जगहों पर बैठे फालतू लोगों को हिदायत देते हुए भगाया थाना प्रभारी द्वारा चार्ज लेने के बाद निरंतर गस्त करते हुए अपराधियों पर अंकुश लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं

पावर प्लांटों में 80 हजार मीट्रिक टन पहुंची कोयले की खपत

बिजली ताप गृहों में सिर्फ तीन दिन का बचा कोल स्टॉक

भोपाल। बिजली कंपनी में कोयले का संकट लगातार बना हुआ है। बिजली कंपनी भले ही कोयले की आपूर्ति को बढ़ाने का दावा कर रही हो लेकिन हालात यह है कि आपूर्ति में इजाफा नहीं हो पा रहा है। एक पखवाड़े के दौरान स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। हालात यह है कि बिजली ताप गृहों में कोयले की खपत रोजाना 80 हजार मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। जबकि बिजली घरों में 1.5 से 3 दिनों का कोल स्टॉक शेष बचा है। जो कोयला आ भी रहा है तो रोजाना के बिजली उत्पादन में ही खर्च हो जा रहा है। बिजली कंपनी ने उत्पादन की स्थिति को बनाए रखने के लिए गांवों में शेड्यूल कटौती कर रहा है। प्रदेश के बिजली प्लांटों में 2,75,800मीट्रिक टन तक कोयला उपलब्ध है। जबकि प्रतिदिन की खपत 79 हजार 800 मीट्रिक टन बताई जाती है। इस लिहाज से प्रदेश में 3.5 दिन का कोयल शेष बताया जाता है। बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है।

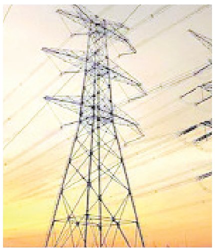

बिजली प्लांटों की स्थिति

संजय गांधी ताप विद्युत गृह
कोयला स्टॉक- 31,700 मीट्रिक
कोयला खपत-22,500 मीट्रिक
उपलब्धता-डेढ़ दिन

सारणी ताप विद्युत गृह
कोयला स्टॉक-40,600 मीट्रिक टन
कोयला खपत-18200 मीट्रिक टन
उपलब्धता- ढाई दिन

श्री सिंगाजी पावर प्लांट
कोयला स्टॉक-1,45,500 मीट्रिक टन
कोयला खपत-36,300 मीट्रिक टन
उपलब्धता-करीब चार दिन

अमरकंटक पावर प्लांट
कोयला स्टाक-52,100 मीट्रिक टन
कोयला खपत- 28,000 मीट्रिक टन
उपलब्धता-18 दिन

13 फीसदी ही मौजूदा स्टॉक

जानकारों के अनुसार बिजली घरों में नियमानुसार कोयला का 26 दिन का स्टॉक होना चाहिए। लेकिन बिजली घरों में अपनी क्षमता का मात्र 13 फीसदी स्टॉक ही उपलब्ध है। यदि देखा जाए तो करीब 50 से 60 लाख टन कोयला का एडवांस स्टॉक होना आवश्यक है। फिलहाल जो कोयला आ रहा है वह पूर खर्च बिजली उत्पादन में हो जा रहा है। बिजली कंपनी ने आगे की जरूरतों को देखते हुए सड़क मार्ग से भी कोयले की आपूर्ति की व्यवस्था की है तो वहीं कोयला का एक्सपोर्ट करने का निर्णय लिया गया है।

मेहगांव में डाक बंगला सरकार हनुमान मंदिर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई

दैनिक पुष्पांजलि टुडे बृजपाल सिंह गुर्जर
मेहगांव जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में धार्मिक उत्सव प्रकोष्ठ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राधिका मोहन स्वामी जी उपस्थित थे विशेष रुप से मध्य प्रदेश कांग्रेस के महासचिव राम हरि शर्मा एडवोकेट रहे आयोजन धार्मिक उत्सव प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष राम भक्त यार सिंह गुर्जर खाटू मामा कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने किया बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष धार्मिक उत्सव कांग्रेस के राधिका मोहन स्वामी जी ने कहा कि कांग्रेस जन पूरी ईमानदारी शिद्दत के साथ जनसेवा कर आम जन का विश्वास हासिल करें तथा आने वाले समय में जनविरोधी भाजपा सरकार को स्थानीय नगरी निकाय व पंचायत चुनाव में जड़ से उखाड़ फेंके तथा 2023 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाएं इसी क्रम में मध्य प्रदेश कांग्रेस के महासचिव राम हरि शर्मा ने भाजपा सरकार की जनविरोधी नीति तथा भाजपा की विफलताओं को कांग्रेस जन के सामने उजागर किया और कहा कि कांग्रेस पार्टी एक ऐसा राजनीतिक दल है जो हमेशा जनहित की बात करता इसी क्रम में दिनेश उपाध्याय डॉ बृजेश मौर्य जबर सिंह कुशवाहा राकेश सागर ने भी संबोधित किया कार्यक्रम का संचालन कांग्रेसी नेता मनीष तिवारी ने किया तथा आए हुए अतिथियों का संतो संत जनों का सम्मान साल श्रीफल से अहमद प्यार सिंह गुर्जर खत्म होगा वह मनीष तिवारी ने किया कार्यक्रम में सोनू लहरिया जीतू शर्मा गुड्डन कटारे टुनटुन पुरोहित आनंद शर्मा सनी दुबे सौरव शर्मा रामचंद्र शर्मा विकास डोले इत्यादि जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे

अर्पित जैन की दुकान परी सेंटर में लगी आग, करीब 2 लाख का हुआ नुकसान

महेंद्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग
मौ-भिण्ड। मौ अर्पित जैन व्यवसायी की गिफ्ट सेंटर की दुकान में शार्ट सर्किट से लगी भीषण आग जिसे अडोस पड़ोस के लोगों ने कड़ी मसक्कत आग पर काबू पाया, तब तक दुकान में रखा हुआ गिफ्ट का पूरा सामान जलकर राख में बदल गया। लोगों के बताए अनुसार दुकान में करीब 2 लाख से ऊपर का नुकसान हुआ है। यहाँ बता दें कि जिस जगह पर दुकान है वहाँ बहुत सकरी गयी थी , जिसके कारण फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच सकी। और अड़ोस पड़ोस के लोगों ने कड़ी मेहनत कर आग पर काबू पाया। वहीं भाजपा मंडल मौ के पदाधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर मदद की । यही पूर्व मंडी अध्यक्ष सज्जन सिंह यादव ने सांत्वना स्वरूप 2100 रुपए दुकानदार अर्पित जैन को आर्थिक तौर पर मदद के लिए दिए गए । मंडल महामंत्री सुल्तान सिंह मौर्य, रामू कुशवाह आईटी प्रभारी, भिंड सोमबीर शिवहरे, राजू मिश्रा मंडल महामंत्री, संतोष यादव जी वकील यादव पूर्व पार्षद आदि लोगों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है।

जून के प्रथम सप्ताह में जारी होगी चुनाव की अधिसूचना

प्रदेश में मानसून से पहले ही होंगे पंचायत चुनाव

भोपाल। प्रदेश में पंचायत चुनाव पहले कराए जाने की तैयारी है। इसके लिए सभी तैयारियां हो चुकी हैं। 26 मई को आरक्षण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। सरकार ने भी राज्य निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि मानसून को देखते हुए पहले पंचायत चुनाव करा लिए जाएं। दरअसल, बारिश के दौरान कई गांवों के रास्ते बंद हो जाते हैं। ऐसे में मतदान प्रभावित हो सकता है। अब राज्य निर्वाचन आयोग सभी पहलुओं पर विचार करके निर्णय लेगा। जून के प्रथम सप्ताह में चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि दोनों चुनाव एक साथ नहीं हो सकते हैं। सरकार ने आयोग से आग्रह किया है कि बारिश के पहले पंचायत के चुनाव हो जाएं। 23 हजार पंचायतें हैं। बारिश में मतदान दल को पहुंचने और मतदाताओं को परेशानी हो सकती है। इसे देखते हुए निर्णय लिया जाए। अंतिम निर्णय आयोग का होगा। पंचायत चुनाव के ठीक बाद नगरीय निकाय के चुनाव घोषित कर दिए जाएं।

चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने पर अभी निर्णय नहीं

महापौर और अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाने पर उन्होंने कहा कि अभी इस पर निर्णय नहीं हुआ है। वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श करके निर्णय लिया जाएगा। हम चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के मद्देनजर शासन को तीन साल से एक स्थान पर पदस्थ अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए हैं। इसके दायरे में अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, थाना निरीक्षक, उप निरीक्षक, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और नगरीय निकायों के अधिकारी आएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की तैयारियों को देखते हुए अपने अधिकारियों और कर्मचारियों का शनिवार और रविवार का अवकाश निरस्त कर दिया है। सभी अधिकारियों से कहा गया है कि वे दोनों दिन निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित हों।

पंचायत चुनाव में गुलाबी, नीले, पीले और सफेद रंग के होंगे मतपत्र

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मतपत्र से कराए जाएंगे। इसके लिए गुलाबी, नीला, पीला और सफेद रंग के मतपत्र रहेंगे। इसकी तैयारी के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने शुक्रवार को राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी को कागज की व्यवस्था करके समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय में हुई बैठक में बताया गया कि इस बार जिला और जनपद पंचायत के सदस्य का चुनाव भी मतपत्र से कराया जाएगा। एक मतदाता पंच, सरपंच, जनपद और जिला पंचायत के सदस्य के लिए मतदान करेगा। इसमें किसी प्रकार की गफलत न हो, इसके लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र रखे जाएंगे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि विभिन्न रंग के कागज की पर्याप्त व्यवस्था कर ली जाए। इसके साथ ही नगरीय निकाय चुनाव में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन मतपत्र मुद्रण के साथ 35 प्रकार के प्रारूप प्रपत्र और आठ प्रकार के लिफाफों के मुद्रण की व्यवस्था करें। विभागीय अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि समय पर सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे। इस दौरान आयोग के सचिव राकेश सिंह, नियंत्रण शासकीय मुद्रणालय श्रीमन शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक साल शिक्षा के नाम अभियान से अब दिल्ली छात्रावास दूर नहीं।

सीरवी समाज भवन मय छात्रावास दिल्ली के लिए लोगों में भारी उत्साह

पुष्पाजंली टुडे
पाली- दिनांक 21.05.2022 को श्री आईमाता मंदिर इन्द्रोका की ढाणी, पाली की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर धर्मगुरु माधवसिंह दीवान साहब के सानिध्य में आयोजित धर्मसभा में नशा मुक्ति एवं समाज सुधार अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक गोपाराम पंवार ने समाज में प्रचलित मादक पदार्थों यथा अफीम व डोडा पोस्त की खुले आम विभिन्न आयोजनों में मनुहार को नशा मुक्त भारत निर्माण अन्तर्गत सरदारसंमद परगना की तरह ही सभी जगहों पर बन्द करने की समझाईस की। सरदारसंमद परगना क्षेत्र में किसी भी अवसर यथा मोत मृतक, शादी आदि आयोजनों पर अफीम आदि की मनुहार बिल्कुल नहीं की जाती हैं।साथ ही प्रस्तावित सीरवी समाज भवन मय छात्रावास, दिल्ली की स्थापना को लेकर एक साल शिक्षा के नाम अभियान जो कि नव वर्ष वि. स. 2079 दि. 02.04.2022 को बिलाड़ा में धर्मगुरु दीवान साहब के करकमलों से प्रारंभ किया गया था, पिछले एक माह से अधिक समय में जन जागरण हेतु किये गये प्रयासों की जानकारी दी इसमें अबतक 60 महानुभावों द्वारा 65.00 लाख रूपये से अधिक की घोषणाऐं प्राप्त हुई है ।छात्रावास निर्माण समाज की संस्था अखिल भारतीय सीरवी समाज दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय सीरवी समाज के सहयोग से किया जा रहा है, की भी विस्तृत रूपरेखा से छात्रावास निर्माण समन्वयक गोपाराम पंवार द्वारा सभी को अवगत करवाया गया।दिल्ली में छात्रावास के लिए राशि संकलित करने हेतु अखिल भारतीय सीरवी समाज स्तर पर कोई भी व्यक्ति, संस्था, परगना व बडेर/ट्रस्ट सहित भामाशाह व दानदाता अधिकतम सीमा तक अपना योगदान दे सकते है। इस अवसर पर अधिक से अधिक महानुभावों को सहयोग देने हेतु प्रेरित करने की अपील भी की।सम्पर्क के दोरान दिल्ली छात्रावास को लेकर लोगों में भारी उत्साह व उमंग देखने को मिला।

होटल ले जाकर स्कूली छात्रा की मांग मे सिंदुर भरकर किया रेप

अब नीची जाति का बताकर किया शादी से इंकार

भोपाल। पुराने शहर के हनुमानगंज थाना इलाके मे स्थित होटल में पंद्रह साल की किशोरी के साथ बलात्कार किये जाने का मामला सामने आया है। किशोरी की आरोपी युवक से कुछ समय पहले दोस्ती हुई थी, इसके बाद आरोपी ने उसे प्रैम जाल मे फंसाकर शादी करने का झांसा दिया आरे होटल मे ले जाकर उसकी मांग मे सिंदुर भरकर उसके साथ शारीरिक संबध बना डाले। बीते दिनो आरोपी ने उसे नीची जाति का बताकर अपमानित करते हुए शादी करने से इंकार कर दिया। इसके बाद मामला थाने पहुंच गया। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इतवारा इलाके मे रहने वाली 15 साल की किशोरी ने परिजनो के साथ थाने आकर अपनी शिकायत मे बताया कि वो दसवीं कक्षा की छात्रा है। पुल बोगदा इलाके मे रहने वाला आरोपी कुणाल यादव इतवारा मे ही किसी दुकान पर काम करता है। इतवारा क्षेत्र मे आने जाने के दौरान उसकी दोस्ती कुणल यादव से हो गई?थी। जल्द ही उनकी पहचान दोस्ती मे बदल गई ओर दोनों पर मोबाइल करने के साथ ही मिलने जुलने भी लगे। इस दौरान कुनाल यादव ने उसे अपने प्रैम जाल मे फसां लिया। आरोप है कि कुणाल ने 10 मई को किशोरी को शादी करने का झांसा देते हुए उसे मिलने के लिये बुलाया ओर उसे लेकर हनुमानगंज इलाके मे स्थित होटल सांई प्लाजा पहुचां। होटल मे कमरे मे आरोपी ने छात्रा की मांग में सिंदूर भरकर शादी का नाटक किया ओर उसके साथ शारीरिक संबध बना डाले। किशोरी ने जब उसका विरोध किया तो आरोपी ने उससे कहा जल्द ही वो सामाजिक रीति रिवाज से उसके साथ शादी कर लेंगा। इसके बाद 15 मई को कुणाल ने फिर उसे मिलने बुलाया ओर उसके साथ शारीरिक संबंध बना डाले। इसके बाद आरोपी उसपर लगातार शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने लगा। किशोरी ने जब उससे शादी करने को कहा तो आरोपी ने उसके साथ शादी करने से साफ इंकार कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार जब आरोपी के परिवार वालो को उसके प्रैम प्रसंग की जानकारी लगी तो उन्होने किशोरी से शादी कराने से मना कर दिया। इकसे बाद आरोपी ने भी पीड़िता से दुरिया बनाते हुए उससे बातचीत करना बंद कर दी। पीडीता ने जैसै तैसै उससे संपर्क कर शादी करने को कहा तो कुणाल ने उसे अपमानित करते हुए कहा कि वो नीची जाति की हो ओर वो उसके साथ शादी नहीं करेगा। इसके बाद छात्रा ने आरोपी की करतूत के बारे मे परिवार वालो को बताया तब परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे जहॉ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376, 376(2)एन, 376 (3), 5एल/6, पॉक्सो और एससीएसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस फिलहाल आरोपी के प्रयास कर रही है।

कमलनाथ ने संभाग प्रभारी मनोनीत किए

भोपाल। प्रदेश में आगामी दिनों होने वाले त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव के संदर्भ में विभिन्न संभागों में निम्नानुसार प्रभारी मनोनीत किए जाते हैं इन प्रभारियों का यह दायित्व होगा कि वे तत्काल संभागीय मुख्यालय में पहुंचकर क्षेत्र के जिला अध्यक्षों / ब्लॉक अध्यक्षों, विधायकों विधानसभा एवं लोकसभा के प्रत्याशियों तथा संगठन के पदाधिकारियों से बैठक एवं चर्चा कर पंचायत चुनाव के संदर्भ में सर्वसम्मति का प्रयास करें तथा जहां कहीं भी विवाद या असहमति हो उसे सकारात्मक रूप से सुलझाने का प्रयास करें । ग्वालियर चंबल संभाग अशोक सिंह, सागर संभाग लखन घनघोरिया , रीवा संभाग प्रताप आनु शर्मा, जबलपुर संभाग एन.पी. प्रजापति, शहडोल संभाग तरुण भनोट, भोपाल संभाग पी.सी. शर्मा, होशंगाबाद नर्मदापुरम संभाग संजय शर्मा,उज्जैन संभाग सज्जन सिंह वर्मा, इंदौर संभाग सुश्री विजयलक्ष्मी साधो प्रभारी मनोनीत की गई हैं।

म्बू चारकोल निर्यात पर प्रतिबंध हटा, प्रदेश के किसानों को बांस उद्योग से होगा लाभ

भोपाल। राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी कराने के उद्देश्य से देश में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। देश में पहली बार बम्बू चारकोल के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया गया है।
वन विभाग के प्रमुख अशोक वर्णवाल, वन दल प्रमुख आर.के. गुप्ता और बांस मिशन के डायरेक्टर डॉ. उत्तम कुमार सुबुद्धि ने राष्ट हित में बांस चारकोल के निर्यात से प्रतिबंध हटाने के लिए ठोस तर्क प्रस्तुत किये थे।

बांस आधारित उद्योगों और दूरस्त ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों को आर्थिक रूप से समृद्ध होने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय वरदान साबित होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बांस के चारकोल की अधिक माँग है। निर्यात प्रतिबंध हटने से बांस उद्योग अधिक लाभ उठाने में सक्षम होगा। बांस के कचरे का अधिकतम उपयोग भी हो सकेगा।

बांस उद्योग की नई संभावनाएँ

बांस चारकोल का उपयोग बारबेग्यू, मिट्टी के पोषण और उच्च स्तर के चारकोल निर्माण में कच्चे माल के रूप में किया जाता है। अमेरिका, जापान, कोरिया, बेल्जियम, जर्मनी, इटली, फांस और यू.के. के अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी अधिक माँग है। वर्तमान में बांस उद्योग बांस के उपयोग और अत्यधिक उच्च लागत से जूझ रहा है। बांस का अधिक उपयोग अगरबत्ती निर्माण में होता है। करीब 16 प्रतिशत बांस का उपयोग अगरबत्ती की लकड़ी बनाने में होता है। अगरबत्ती उद्योग से देश के बड़े हिस्से में लोगों को रोजगार मिलता है। रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की मंशा से कच्ची अगरबत्ती पर आयात नीति में बदलाव और गोल बांस की छड़ियों पर आयात शुल्क बढ़ाने की माँग की जाती रही है। बांस की छड़ियाँ वियतनाम और चीन से आयात की जाती हैं। अधिक माँग को देखने के बाद वाणिज्य मंत्रालय ने सितम्बर 2019 में कच्ची अगरबत्ती के आयात पर रोक लगा दी और जून 2020 में गोल बांस की छड़ियों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया।

पहले बांट दिए करोड़ों रुपए, अब तहसीलदार कर रहे वसूली

पीएम किसान सम्मान निधि लौटाने किसानों को थमा रहे नोटिस

भोपाल।मध्यप्रदेश में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार ने पीएम सम्मान निधि योजना शुरू की थी, इस योजना के तहत सरकार ने किसानों को 2000-2000 रुपए करके तीन किश्तों में प्रत्येक किसान को 6 हजार रुपए दिए, लेकिन अब किसानों से पीएम सम्मान निधि लौटाने के लिए दवाब बनाया जा रहा है, पहले उन्हें किसान सम्मान निधि लौटाने के लिए नोटिस थमाए गए, लेकिन अब तहसीलदार के माध्यम से वसूली की जा रही है। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश में सरकार द्वारा कई अपात्र किसानों को भी पीएम सम्मान निधि की राशि बांट दी गई है, इन किसानों से अब बांटी गई राशि वापस लेने के लिए नोटिस दिए गए हैं, हालांकि कुछ किसानों ने इस राशि को लौटा दिया है, लेकिन हजारों किसान ऐसे भी हैं, जिन्होंने इस राशि का उपयोग कर लिया है और अब वे राशि लौटाने के मुड में नहीं है, ऐसे किसानों से सरकार अब तहसीलदार के माध्यम से राशि वसूलने में जुट गई है, ऐसे ही एक मामला मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले से भी आया है। पीएम एवं सीएम किसान सम्मान निधि के तहत शासन द्वारा सरकारी नौकरी वाले किसान, आयकरदाता, सेवानिवृत्त के बाद 10 हजार से अधिक की पेंशन लेने के साथ ही भूमि धारक व्यवसायी भी अपात्र माना गया है।

वेरिफिकेशन में अपात्र निकले हजारों किसान

दरअसल पीएम किसान पोर्टल पर 53641 किसानों का पंजीयन है। केंद्र सरकार से मिलने वाली सम्मान निधि के तहत राशि की किश्ते जारी करने के बाद हजारों अपात्र किसान सामने आए। उन्हें भी योजना की किश्तें जारी कर दी थीं। पटवारियों द्वारा भौतिक सत्यापन करने के बाद अपात्र निकले किसानों से सरकारी राशि की वसूली का काम चल रहा है। राजस्व विभाग के माध्यम से नोटिस देकर आयकरदाता, व्यापारी, सरकारी कर्मचारियों से राशि की वसूली की जा रही है। मृतक एवं आयकरदाता किसानों की सूची तैयार कर नोटिस देकर राशि का वापस मांगा जा रहा है।

2248 किसानों को बांटे 2 करोड़ रुपए

मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत करीब 2 करोड़ 3 लाख रुपए अपात्र किसानों को बांट दिए गए हैं, जिनमें से करीब 667 मृतक किसान हैं वहीं 1581 किसान ऐसे हैं, जो आयकर दाता है, इन किसानों से पीएम किसान सम्मान निधि वापस करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

हाईकोर्ट के कर्मचारियों के वेतनमान के लिए बनी कमेटी की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश

मामले में 13 जून को होगी सुनवाई

जबलपुर। अब उम्मीद जाग गई है कि वर्षों से जारी इंतज़ार पूरा होगा। लंबित मांग पूरी होगी। अधिकार मिलेगा। न्याय के मंदिर में सेवा देने वालों को न्याय मिलेगा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कर्मचारियों के उच्च वेतनमान से जुड़े मामले के लिए बनी विशेष कमेटी की रिपोर्ट सरकार ने सीलबंद लिफाफे में पेश की। मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ व जस्टिस अंजुली पालो की युगलपीठ ने रिपोर्ट की एक कॉपी याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को देने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई 13 जून को निर्धारित की गई है। इस मामले की विगत सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस मामले में पूर्व में दिए आदेशों के परिपालन का रास्ता निकालने एक कमेटी का गठन किया था। कमेटी में हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, विधि एवं विधायी कार्यविभाग के प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव और एडीशनल चीफ सेक्रेटरी शामिल थे।

हमारा संकल्प है कि कोई भी गरीब मरीज धन के अभाव में इलाज से वंचित न रहे : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया देवराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंस का भूमिपूजन

केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर व श्री सिंधिया सहित राज्य सरकार के मंत्रिगण हुए शामिल

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारा संकल्प है कि धन के अभाव में कोई भी गरीब बिना इलाज के नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकार जरूरतमंद गरीब मरीज का पाँच लाख रूपए तक का निःशुल्क इलाज निजी अस्पतालों में भी करा रही है। उन्होंने कहा सरकार जल्द ही राष्टपति महोदय के कर कमलों से प्रदेश में कई अस्पतालों का लोकार्पण व शिलान्यास कराने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान रविवार को ग्वालियर में देवराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंस एवं अस्पताल के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मंचासीन थे।

रविवार को यहाँ राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर ग्राम खुरैरी बड़ागाँव क्षेत्र में आयोजित हुए डीआईएमएस (देवराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंस) के भूमिपूजन समारोह में जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया व लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़, सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी एवं किरार समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री कमल माखीजानी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा, डीआईएमएस की चेयरमेन श्रीमती शरवती सिंह किरार, सचिव डॉ. सलोनी सिंह धाकड़ व कोषाध्यक्ष श्रीमती साक्षी किरार भी मंचासीन थीं।

भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उम्मीद जाहिर की कि यह अस्पताल केवल धन कमाने का जरिया नहीं बनेगा अपितु परोपकार की भावना के साथ ग्वालियर-चंबल संभाग सहित आस-पास के अन्य क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधायें मुहैया करायेगा। उन्होंने कहा यह मेडीकल कॉलेज व अस्पताल ग्वालियर-चंबल संभाग को नई दिशा देगा। हमारी शुभकामनायें हैं कि यहाँ से पड़कर निकले विद्यार्थी अच्छे डॉक्टर बनें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में निजी मेडीकल कॉलेज व अस्पताल शुरू करने के लिये श्री करन सिंह किरार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पुत्र स्व. देवराज की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिये अस्पताल खोलकर जनसेवा का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर यह भी कहा कि ग्वालियर की पवित्र धरती पर हम संकल्प लेते हैं कि ग्वालियर-चंबल संभाग के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने कहा आजादी के अमृत महोत्सव की पुण्य बेला में ग्वालियर के विकास के लिये स्वर्णिम काल चल रहा है। ग्वालियर में जल्द ही एक हजार बिस्तर का अस्पताल शुरू होगा। साथ ही एलीवेटेड रोड़, अत्याधुनिक एयरपोर्ट, केन्द्रीय स्तर की कृषि संस्थायें इत्यादि सहित अन्य विकास कार्य ग्वालियर में मूर्तरूप ले रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा प्रदेश सरकार का संकल्प है कि सभी के लिए रोटी, कपड़ा, पड़ाई, लिखाई और रोजगार का इंतजाम हो।

आरंभ में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य अतिथियों ने कन्या पूजन, दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देवराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंस का भूमिपूजन किया।

महिला सशक्तिकरण का उत्तम उदाहरण है यह संस्थान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देवराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंस महिला सशक्तिकरण का एक उत्तम उदाहरण बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि खुशी की बात है कि इस संस्थान की चेयरमेन श्रीमती शरवती किरार, सचिव श्रीमती डॉ. सलोनी सिंह धाकड़ व कोषाध्यक्ष श्रीमती साक्षी किरार हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारा हमेशा से विश्वास रहा है कि बेटियाँ अस्पताल ही नहीं सारी दुनिया चला सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

रक ड्राइवर के लिए निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर..

टोल और नाकों पर चलाया जागरूकता अभियान..

ग्वालियर- केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली की गाइड लाइन के अनुसार अलख-- सामाजिक एवं जन कल्याण समिति ग्वालियर द्वारा ट्रक ड्राइवर के लिए निशुल्क 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सभी ट्रक ड्राइवर साथियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ 25 मई 2022 बुधवार से किया जाएगा । नेत्र परीक्षण शिविर की शुरुआत नेशनल हाईवे नंबर 44 से गुजरने वाले ट्रक ड्राइवर साथियों के लिए रायरू, बरौआ के पास एचपीसीएल पार्किंग स्थल पर की जाएगी। इसके पूर्व निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर के आयोजन के संबंध में अलख संस्था द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है.. जिसके तहत नेशनल हाईवे नंबर 44 के रायरू, मेहरा टोल प्लाजा और आगरा मुंबई रोड हाईवे क्षेत्र में संबंधित टोल प्लाजा पर उनके संचालकों के साथ ट्रक ड्राइवरों को कैंप के प्रति जानकारी दी गई । ताकि वे अपना नेत्र परीक्षण और चश्मे लेकर सुरक्षित सफर पूरा कर सकें। इस अभियान में अलख- संस्था के सचिव जावेद खान के साथ टोल प्लाजा मेहरा के पार्थवे प्राइवेट लिमिटेड के प्रभारी संजय गोस्वामी, विनय कुमार सहित अन्य स्टाफ भी शामिल था।

भाषण प्रतियोगिता का सम्भागीय कार्यक्रम आज

ग्वालियर। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा चलाए जा रहे यूथ कनेक्ट अभियान के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का संभाग स्तरीय आयोजन कल 23 मई को कैंसर हॉस्पिटल स्थित शीतला सहाय सभागार में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सम्पन्न होगा। कार्यक्रम में ग्वालियर चम्बल संभाग के 9 जिलों से चयनित प्रतिभागी भाग लेंगे। उक्त जानकारी भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रतीक तिवारी ने दी। श्री तिवारी ने बताया कि संभाग स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में उद्घाटन सत्र दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। इस सत्र में मुख्य अतिथि श्री विवेक नारायण शेजवलकर, उर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर व जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी उपस्थित रहेंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण शाम 4 बजे आयोजित होगा। इसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि यह भाषण प्रतियोगिता का तीसरा चरण है, विगत दिनों संभाग में विधानसभा स्तर व जिला स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी उनमें से चयनित प्रतिभागी संभाग स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे व प्रत्येक विषय पर प्रथम व द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। संभागीय कार्यक्रम में भाजयुमो के संभाग प्रभारी श्री शुभेन्द्र गौड़ व भाजयुमो के अन्य प्रदेश पदाधिकारी, सभी जिलों के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व प्रत्येक जिले से चयनित कुल 90 प्रतिभागी व बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता युवा साथी मौजूद रहेंगे।

लव अफेयर में युवक का अपहरण

कार सवार बदमाश युवक को पीटते हुए बंधक बना ले गए, पुलिस ने छुड़ाया, दो गिरफ्तार

ग्वालियर। ग्वालियर में एक लव अफेयर के चक्कर में कार सवार बदमाश एक युवक को जबरन पीटते हुए कार में बंधक बनाकर ले गए। वारदात देर रात सीपी कॉलोनी लेदर फैक्ट्री मुरार की है। युवक के अपहरण का पता चलते ही पुलिस हरकत में आई। घटना स्थल से सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी मिले हैं। इसके बाद पुलिस ने कार सवार बदमाशों की घेराबंदी की। करीब डेड़ घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने चार शहर का नाका इलाके में कार को घेरकर अपहृत को मुक्त कराया है। वहीं अगवा करने वाले दो आरोपी भी पकड़े गए हैं। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

यह है पूरा मामला : उपनगर मुरार के लेदर फैक्ट्री के पास रहने वाला गौरव पुत्र श्याम बाथम प्राइवेट जॉब करता है। वह दोस्तों के साथ घूमने के बाद रात को वापस घर आया था। कुछ देर बाद दो युवक उसके घर में आए और उसे जबरन खींचकर बाहर ले गए। घर पर उस समय गौरव व उसकी मां थी। वह कुछ समझ पाती तब तक युवकों ने उसकी मारपीट कर जबरन स्विफ्ट डिजायर कार में डाल ले गए। बेटे का अपहरण होते देखकर मां ने गौरव के पिता श्याम बाथम को सूचना दी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गौरव की तलाश शुरू कर दी।

सीसीटीवी कैमरे से मिला सुराग : पुलिस ने वहां पर पास ही लगे सीसीटीवी खंगाले तो अपहरणकर्ता वारदात को अंजाम देते हुए दिखाई दिए है। पुलिस ने ध्यान से देखा तो वारदात को अंजाम देने वाले आधा दर्जन से ज्यादा बदमाश थे और वह एक नहीं दो कारों से आए थे।

भारतमाता की हजारों परिवारों ने हाथों में दिये लेकर आरती उतारी

गीत गाते हुए बनाए महापुरुषों के चित्र भारतमाता की हजारों परिवारों ने हाथों में दिये लेकर आरती उतारी

राष्ट्रभक्ति के तरानों, भारत माता की जय व वंदेमातरम से गूंज प्रांगण उठा

ग्वालियर। संवेदना सेवा न्यास के तत्वाधान में आज रविवार को गोले का मंदिर स्थित इन्द्रप्रस्था गार्डन में आयोजित जीव सेवा के लिए समर्पित सेवा संस्थान के सेव प्रकल्पों को समर्पित बाबा सत्यनारायण मौर्य मुबंई कलाकारो के द्वारा चित्र में गीत संगीतमय एक शाम भारत माता के नाम महाआरती भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे राष्ट्रभक्ति के तरानों, भारत माता की जय व वंदेमातरम से गूंज उठा।

कार्यक्रम शुभारंभ आतिथियो ने भारत माता के चित्र पर माला अर्पित व दीपप्रज्वलन कर किया गया। स्थल की लाइट बंद करा दी गई। सिर्फ मंच पर भारत माता की लाइट जलती रही। महिलाओं व पुरुषों ने भारत माता की आरती और वंदेमातरम गाया। एक साथ हजारों से अधिक परिवारों ने हाथों में दिए जलाकर आरती करने प्रांगण का दृश्य बेहद सुंदर दिखा। वही कार्यक्रम में बड़ा आकर्षण बाबा सत्यनारायण मौर्य का देशभक्ति के तराने गाते हुए महापुरुषों का चित्र बनाना था। मंच पर चित्रकारी करते हुए उन्होंने स्वामी विवेकानंद, सरदार भगत सिंह, भारत माता, श्रीरामचंद्र, हनुमान, रानी लक्ष्मीबाई, शिवाजी सहित अन्य चित्र एक हाथ व ब्रश से बनाए।

कार्यक्रम के अतिथि संत महाराज व राजनेता थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केबिनेट ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्नसिंह तोमर, महाराज कृपालसिंह जी, विवेकानंद सरस्वती महाराज जी, लाल टिपारा गौशाला के संत सरूपानंद महाराज, पुस्तक निगम के अध्यक्ष शेलेन्द्र बरुआ, बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नलाल गोयल आदि मंच पर मौजूद थे। अथितियों का माला ओ स्मृति चिन्ह कार्यक्रम के भाजपा प्रदेश मंत्री केशव सिंह भदौरिया, संवेदना सेवा न्यास के संस्थापक अध्यक्ष पंकज सिंह, रामेश्वर सिंह भदौरिया, राजा मानसिंह तोमर, कला व संगीत विश्वविद्यालय कार्यपरिषद सदस्य चन्द्र प्रताप सिंह, अनिल राजावल, राहुल दुबे, डा. जगदीप सिंह भदौरिया, विपुल बाथम, रज्जन सिंह, अजय आदि ने सम्मानित किया। संचलान जयदीप भदौरिया ने किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया का विमानतल पर आत्मीय स्वागत

ग्वालियर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का हवाई अड्डे पर हुआ आत्मीय स्वागत । मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया राजकीय विमान से रविवार को दोपहर ग्वालियर विमानतल पधारे। ग्वालियर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने के पश्चात मुख्यमंत्री शाम 4 बजे राजकीय विमान द्वारा भोपाल के लिए रवाना हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं केन्द्रीय श्री सिंधिया का विमान तल पहुँचने पर जल संसाधन एवं मछुआ कल्याण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओ पी एस भदौरिया व लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री श्री सुरेश धाक?, लघु उद्योग निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी, बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र बरूआ, पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री लोकेन्द्र पाराशर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, ग्रामीण अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, पूर्व विधायक श्री रामबरन सिंह, श्री मदन कुशवाह, अशोक शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

विमान तल पर संभागीय आयुक्त श्री राजीव दुबे, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी श्रीनिवास वर्मा, कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

सात दिवासिय जैन शिविर में परीक्षा के साथ समापन पर हुआ सम्मान

15 से 22 तक प्रतिदिन शिविर में बच्चों को ज्ञान, साधना के संस्कार की शिक्षा दे रहे थे।

ग्वालियर-श्रमण मुनिश्री पुंगव श्री 108 सुधा सागर महाराज की प्रेरणा आर्शीवाद से श्रमण संस्कृति संस्थान सांगनेर जयपुर एवं श्री दिगंबर जैन मदिर लाला गोकुलचंद जैसवाल लोहमंडी के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे सात दिवासिया 15 से 22 मई तक श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आज रविवार को जैन धर्म की परीक्षा के साथ शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमे शिविर स्थल लाला गोकुलचंद जैन मदिर में लिखित परीक्षा में सभी उम्र के 181 बालक, बालिकाओ और महिलाओ ने बडे उत्साव के साथ लिखित परीक्षा में प्रश्नों के माध्यम से जैन धर्म के सिद्धांतों के प्रति उनके ज्ञान को परीक्षा के माध्यम से परखा गया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि गत सात दिनों से चल रहे शिविर मे जैन धर्म तथा संस्कारों की शिक्षा विधिवत पंडित प्रतीक जैन अमरकंटक व सचिन शास्त्री बांदकपुर के विद्वानगणो द्वारा परीक्षा में 3 साल से 6 साल तक छोटे छोटे बच्चो ने मुखिता शब्दो से णमोकार मंत्र, 24 तीर्थकारो के नाम और चिंह सुनाए। 8 साल के से उपर के युवा और बालिकाओ ने भाग 1,2, के प्रश्नों के लिखिता परीक्ष दी। महिला वर्ग 'तत्वार्थ सूत्र, इष्टोंपदेश, रतनकाण्ड श्रावका चार, द्रव्य संग्रह, छहढाला की परीक्षा उत्सव पूर्वक दी गई। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन आदर्श कलम ने बताया कि दिगंबर जैन लाला गोकुलचंद मंदिर समिति के अध्यक्ष पदमचंद जैन, महामंत्री देवेंद्र जैन, मनीष जैन, अभिलाष जैन, आलोक जैन, राजू, राजुल जैन, प्रवीण जैन ने शिविर के समापन पर सात दिवासिया बच्चो को धर्म की शिक्षा देने वाले जैन समाज के शिक्षक विद्वान पंडित प्रतीक शास्त्री अमरकंटक, सचिन शास्त्री बांदकपुर, शिविर संयोजक राकेश जैन, मनोरमा जैन, प्रवक्ता सचिन जैन एवं मीडिया आलोक जैन को स्मृति चिन्ह् देकर एवं शिविर के 181 बच्चों, बालिका व महिलाओ को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया।

परीक्षा देकर समझा जैन धर्म का सिद्धात, 181 लोगों ने दी परीक्षा

सात दिवासिय जैन शिविर में परीक्षा के साथ समापन पर हुआ सम्मान

ग्वालियर। श्रमण मुनिश्री पुंगव श्री 108 सुधा सागर महाराज की प्रेरणा आर्शीवाद से श्रमण संस्कृति संस्थान सांगनेर जयपुर एवं श्री दिगंबर जैन मदिर लाला गोकुलचंद जैसवाल लोहमंडी के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे सात दिवासिया 15 से 22 मई तक श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आज रविवार को जैन धर्म की परीक्षा के साथ शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478